हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 109 ● भिलाई, मंगलवार 17 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

आई-10 कार पर पलटा ट्रक, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

रेवाड़ी । हरियाणा के रेवाड़ी में दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे पर देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बावल के बनीपुर चौक के पास चने से भरा एक ट्रक हुंडई आई-10 कार के ऊपर पलट गया। हादसे में कार सवार एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच साल का एक बच्चा घायल हो गया। ट्रक के नीचे दबने से कार पूरी तरह पिचक गई। गाड़ी का एक-एक हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। राहत एवं बचाव कार्य के दौरान कार की खिड़कियां तक काटनी पड़ीं। सभी घायलों को बावल नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने दीपक, सरिता, नितिन और दिव्या को मृत घोषित कर दिया। हादसा रात करीब साढ़े 11 बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रक चालक तेज रफ्तार में था। उसने पहले एक अन्य गाड़ी को टक्कर मारी और इसके बाद ट्रक अनियंत्रित होकर ह्यु-10 कार के ऊपर पलट गया।

किस्त नहीं चुकाने पर जबरन गाड़ी नहीं छीन सकतीं फाइनेंस कंपनियां

प्रयागराज। वाहन लोन की किस्तें जमा नहीं होने पर ग्राहकों को डराने-धमकाने और जबरन गाड़ियां उठाने वाली फाइनेंस कंपनियों को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कड़ी चेतावनी दी है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि कर्ज की अदायगी में चूक होने पर कोई भी फाइनेंस कंपनी रिकवरी एजेंटों या बाहुबल के जरिए ग्राहक का वाहन जब्त नहीं कर सकती। कंपनी को वाहन वापस लेने का अधिकार हो सकता है, लेकिन इसके लिए उसे कानून में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा। इसके लिए सिविल कोर्ट या मध्यस्थता जैसे कानूनी विकल्पों का सहारा लेना होगा। यह मामला सादाब अहमद की याचिका से जुड़ा है। उन्होंने दिसंबर 2023 में टाटा कंपनी का एक मालवाहक वाहन खरीदा था, जिसे एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने फाइनेंस किया था। समझौते के तहत उन्हें 64,059 रुपये की 45 मासिक किस्तों में कर्ज चुकाना था।

उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना

छठ महापर्व हमारी सनातन संस्कृति और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संगम

- मुख्यमंत्री श्री साय ने धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय के साथ कुनकुरी के छठ घाट में की भगवान सूर्यदेव और छठी मैया की आराधना

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज छठ महापर्व के पावन अवसर पर अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय के साथ जशपुर जिले के कुनकुरी स्थित छठ घाट में उगते सूर्यदेव को उषा अर्घ्य अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान सूर्यदेव और छठी मैया से प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, खुशहाली और छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति की मंगलकामना की। इस अवसर पर उन्होंने छठ व्रतियों, श्रद्धालुओं सहित समस्त प्रदेशवासियों को लोक आस्था के महापर्व छठ की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने छठ घाट पर उपस्थित श्रद्धालुओं और व्रती महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह उनके लिए अत्यंत सौभाग्य और प्रसन्नता का अवसर है कि उन्हें अपने कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र में श्रद्धालुओं के बीच छठ महापर्व में सम्मिलित होकर भगवान सूर्यदेव की आराधना करने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व हमारी सनातन संस्कृति, अटूट लोक आस्था और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम संगम है। यह पर्व हमें जीवन



के आधार सूर्य, जल और प्रकृति के प्रति श्रद्धा एवं आभार व्यक्त करने की प्रेरणा देता है। छठ पूजा में निहित पवित्रता, अनुशासन, संयम, तप और समर्पण की भावना भारतीय संस्कृति की महान परंपराओं को प्रतिबिंबित करती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कुनकुरी सहित पूरे जशपुर अंचल में छठ महापर्व के प्रति लोगों की गहरी आस्था है। यहां यह पर्व पूरी श्रद्धा, उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। छठ महापर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक समरसता, पारिवारिक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का भी महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि हमारी समृद्ध परंपराएं ही समाज को एकजुट रखने और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य करती हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान सूर्यदेव और छठी मैया से प्रार्थना की कि उनकी कृपा से प्रदेश के प्रत्येक परिवार में सुख, शांति, आरोग्य और समृद्धि बनी रहे। छत्तीसगढ़ विकास, प्रगति और खुशहाली के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहे तथा सभी प्रदेशवासियों के जीवन में नई ऊर्जा, आशा और सकारात्मकता का संचार हो।

छठ महापर्व पर मुख्यमंत्री ने कुनकुरी वासियों को दी 15.50 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री ने लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ के पावन अवसर पर कुनकुरी वासियों को विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने जशपुर प्रवास के दौरान नगर पंचायत कुनकुरी में लगभग 15 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से मल्टीपर्पस हॉल एवं सांस्कृतिक भवन निर्माण सहित छठ तालाब के विकास और कायाकल्प से जुड़े विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन किया। इन विकास कार्यों से कुनकुरी में नागरिक सुविधाओं का विस्तार होने के साथ ही सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक गतिविधियों के लिए बेहतर अधोसंरचना उपलब्ध होगी। छठ महापर्व पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कुनकुरी वासियों को दी 15.50 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि छठ महापर्व हमारी आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है।

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत से क्यों भिड़ा वकील

वकील ने कहा कि वह इस पद पर बैठने के लायक नहीं हैं.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक असाधारण घटना हुई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले एक वकील को कोर्टरूम से बाहर निकाल दिया गया। वकील ने सुनवाई के दौरान सीजेआई से कहा कि वह इस पद पर बैठने के लायक नहीं हैं और उनमें इस पद के लिए जरूरी ईमानदारी नहीं है। यह घटना तब हुई, जब वकील ने अपने मामले की तत्काल सुनवाई की मांग की। वकील ने कहा कि 2 नवंबर को उन्होंने अपना मामला सीजेआई



सूर्यकांत के कार्यालय में रखा था, लेकिन 15 दिन बीत जाने के बाद भी उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। बताया जा रहा है कि वकील अपने खिलाफ चल रहे अवमानना मामले को लेकर नाराज थे। वकील ने दोपहर 2 बजे बिना निर्धारित प्रक्रिया के मामले का जिक्र करने के लिए शुरुआत में माफी मांगी। इसके बाद वकील ने सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहन की पीठ से अपने दस्तावेज देखने का अनुरोध किया। वकील ने कहा, यह मामला 2 नवंबर को जस्टिस सूर्यकांत के कार्यालय में दिया गया था। 15 दिन बाद भी उन्होंने मुझे जवाब नहीं दिया। इसलिए मैं इस अदालत के सामने आने के लिए मजबूर हूं। इस पर जस्टिस वी. मोहन ने उन्हें टोकते हुए कहा कि इस तरह की बात अदालत में नहीं कही जा सकती।

महज 3 हफ्तों में तीसरे चक्रवाती तूफान का साया, आईएमडी की चेतावनी

भुवनेश्वर। बंगाल की खाड़ी में बन रहे कम दबाव के एक नए क्षेत्र के चलते ओडिशा पर महज तीन हफ्तों के भीतर तीसरे चक्रवाती तूफान का गंभीर खतरा मंडराने लगा है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में सक्रिय यह मौसमी सिस्टम सोमवार तक एक चक्रवाती तूफान और बुधवार तक भीषण चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है, हालांकि अभी इसके सटीक तट से टकराने और दिशा को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाई है। इससे पहले बीते तीन हफ्तों के दौरान 'अर्नब' और 'मुरासु' नामक दो भीषण चक्रवात ओडिशा को प्रभावित कर चुके हैं, जो पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के तट से टकराए थे।

महादेव सट्टा केस में बड़ा अपडेट

रवि-विकास को लाने दुबई पहुंची सीबीआई और ईडी की विशेष टीम

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के दो बहुचर्चित शराब घोटाले और महादेव ऑनलाइन सट्टा मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी के बाद अब विदेश में बैठे आरोपियों को भी भारत लाने की कवायद तेज हो गई है। शराब घोटाले के आरोपी विकास अग्रवाल उर्फ सुब्बू और महादेव सट्टा प्रकरण के सह-प्रमोटर रवि उप्पल को दुबई से भारत लाने के लिए जांच एजेंसियां ने तैयारी तेज कर दी है। इसके लिए विदेश मंत्रालय के



समन्वय से सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालयकी टीमें दुबई पहुंची हैं। जांच एजेंसियां दोनों आरोपियों को भारत लाने के लिए कानूनी और कूटनीतिक औपचारिकताएं पूरी करने में जुटी हैं। सूत्रों के मुताबिक, प्रत्यर्पण से संबंधित जरूरी दस्तावेजों और प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके लिए इंटरपोल और दुबई प्रशासन के साथ समन्वय किया जा रहा है। प्रत्यर्पण की मंजूरी मिलने के बाद दोनों आरोपियों को भारत लाया जा सकता है। इसके बाद उन्हें रायपुर की विशेष अदालत में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लेने की तैयारी है।विकास अग्रवाल उर्फ सुब्बू से शराब घोटाले में कथित वित्तीय लेन-देन, अन्य आरोपियों के साथ संपर्क और पूरे नेटवर्क को लेकर पूछताछ की जा सकती है।

जय शाह का जलवा बरकरार

दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध चेयरमैन नियुक्त

नई दिल्ली। जय शाह को निर्विरोध रूप से इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन के तौर पर दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुन लिया गया। बाली में हुई आईसीसी बोर्ड की बैठक में उनके चयन पर मुहर लगी, जहाँ सदस्यों ने तीन साल के एक और कार्यकाल के लिए उनके नाम को मंजूरी दी। आईसीसी सदस्यों ने लगातार दूसरा कार्यकाल देने के लिए जय शाह का नाम प्रस्तावित करते हुए संगठन में निरंतरता और स्थिरता की जरूरत पर जोर दिया। बीसीसीआई के पूर्व सचिव अब दिसंबर 2030 तक आईसीसी चेयरमैन के पद



पर बने रहेंगे। जय शाह ने दिसंबर 2024 में आईसीसी चेयरमैन का पद संभाला था, और उनका पहला कार्यकाल अगले साल दिसंबर में पूरा होने वाला है। इस तरह, उनका दूसरा कार्यकाल दिसंबर 2027 से शुरू होकर 2030 में खत्म होगा।

पंजाब में पराली जलाने के 5,785 मामले, 2 करोड़ रुपए से अधिक का जुर्माना

चंडीगढ। पंजाब में इस साल अब तक पराली जलाने की 5,785 घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें पटियाला जिले के 388 मामले शामिल हैं। राज्य भर में धान की कटाई का लगभग 98 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। पंजाब प्रशासन ने पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सख्ती बढ़ा दी है और 2.09 करोड़ रुपए से अधिक का पर्यावरण मुआवजा लगाया है। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) की 13 नवंबर को जारी नवीनतम रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा कटाई के मौसम में राज्य भर में पराली जलाने की कुल 5,785 घटनाएं दर्ज की गई हैं।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

रिटायरमेंट के बाद भी सरकारी कर्मचारी से वसूल सकते हैं अतिरिक्त वेतन की रकम.....

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने कहा है कि वेतन निर्धारण में गलती के कारण सरकारी कर्मचारी को किए गए अतिरिक्त भुगतान की वसूली सेवानिवृत्ति के बाद भी की जा सकती है। हालांकि, असाधारण आर्थिक कठिनाई की स्थिति में राहत मिल सकती है, लेकिन इसके लिए कर्मचारी को अपनी कठिनाई का दावा करने के साथ उसे साक्ष्यों से साबित भी करना होगा। जस्टिस बिभु दत्त गुरु ने उच्च शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त लेखाकार उमेश पाठक की याचिका खारिज करते हुए उनके सेवानिवृत्ति लाभों से अतिरिक्त भुगतान 1 लाख 56 हजार,865 रुपये की वसूली का आदेश बरकरार रखा। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि सुनवाई का अवसर नहीं देने के कारण पहले वसूली आदेश को रद्द किए जाने का अर्थ यह नहीं है कि विभाग दोबारा वसूली का आदेश नहीं दे सकता। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उल्लेख करते हुए कोर्ट ने कहा कि कानूनी अधिकार के बिना किए गए अतिरिक्त भुगतान की वसूली की जा सकती है। हालांकि, अत्यधिक आर्थिक कठिनाई जैसी कुछ अपवादपूर्ण परिस्थितियों में राहत



संभव है। बेंच ने पाया कि याचिकाकर्ता ने असाधारण आर्थिक कठिनाई दिखाने के लिए बैंक खाते या संपत्ति से संबंधित कोई विवरण अथवा अन्य सामग्री पेश नहीं की थी। याचिकाकर्ता ने दलील दी थी कि हाईकोर्ट द्वारा पहले वसूली आदेश को रद्द किए जाने के बाद विभाग उसी राशि की वसूली के लिए नया आदेश जारी नहीं कर सकता। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि पहले आदेश में इस प्रश्न का अंतिम निर्णय नहीं किया गया था कि कथित अतिरिक्त भुगतान की किसी भी परिस्थिति में वसूली नहीं की जा सकती। पहले आदेश को रद्द किए जाने का अर्थ यह नहीं लगाया जा सकता कि इस अदालत के निर्देशों का पालन करने के बाद नया आदेश पारित करने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया था।

एसआईआर पर 48 सवाल

सीईसी समेत तीनों चुनाव आयुक्तों से अलग-अलग जवाब चाहता है इंडिया गठबंधन,सुप्रीम कोर्ट से मांगी अनुमति....

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग और विपक्षी दलों के बीच विवाद लगातार गहराता जा रहा है। अब इंडिया गठबंधन ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में नई अर्जी दाखिल की है। विपक्षी दलों ने अदालत से चुनाव आयोग के अधिकारियों से औपचारिक रूप से 48 सवाल पूछने की अनुमति मांगी है। इन सवालों के जरिए विपक्ष स्क्रुकी शुरुआत, चुनाव आयोग के फैसलों, सिस्टम और मतदाता सूची में किए गए बदलावों से जुड़े तथ्यों पर जवाब चाहता है। सोमवार को दाखिल आवेदन में याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपने जवाब में कई दावे तो किए हैं, लेकिन उनके समर्थन में पर्याप्त तथ्य और दस्तावेज पेश नहीं किए। विपक्ष का कहना है कि एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े महत्वपूर्ण रिकॉर्ड केवल चुनाव आयोग के पास उपलब्ध हैं। इसलिए आयोग के अधिकारियों से औपचारिक सवाल पूछना जरूरी है। इंडिया गठबंधन के याचिकाकर्ताओं



ने सुप्रीम कोर्ट के सामने 48 सवाल रखे हैं। वे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी समेत चुनाव आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से इन सवालों के जवाब चाहते हैं। इसमें उप चुनाव आयुक्त भानु प्रकाश येतुरु और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से जुड़े अधिकारियों की भूमिका पर भी जानकारी मांगी गई है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि इन सवालों का मकसद चुनाव आयोग के दावों की जांच करना और आधिकारिक रिकॉर्ड के आधार पर सच्चाई सामने लाना है। यह किसी आधारहीन जांच की मांग नहीं है। विपक्ष के सबसे अहम सवालों में से एक यह है कि पूरे देश में विशेष गहन पुनरीक्षण कराने का फैसला आखिर किसने लिया था? याचिकाकर्ता जानना चाहते हैं कि चुनाव आयोग ने देशभर में एसआईआर कराने का निर्णय कब और किस प्रक्रिया के तहत लिया। क्या इस पर आयोग की औपचारिक बैठक हुई थी या फाइल के माध्यम से मंजूरी दी गई थी? क्या सभी चुनाव आयुक्त इस फैसले पर सहमत थे? विपक्ष ने चुनाव आयोग के 2025 के उस आदेश और बाद में आरटीआई के तहत मिले जवाब के बीच कथित विरोधाभास पर भी सवाल उठाए हैं। याचिकाकर्ताओं के मुताबिक, एक तरफ आयोग ने पूरे देश में एसआईआर कराने का आदेश जारी किया।

अब नहीं होगा ब्रिगेडियर का पद

सेना में कर्नल सीधे मेजर जनरल बनेंगे

नई दिल्ली। भारतीय सेना में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। भारतीय सेना अपने रैंक ढांचे में बड़ा बदलाव करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। भारतीय सेना ब्रिगेडियर रैंक खत्म होगा। अब कर्नल सीधे मेजर जनरल बनेंगे। इस नये नियम से प्रमोशन तेज होगा और सिविल सेवाओं से बराबरी बनेगी। आठवें वेतन आयोग को सिफारिश भेजी जा सकती है। भारतीय सेना का यह कदम अधिकारियों के करियर प्रोग्रेस को बेहतर बनाने, सिविल सेवाओं के साथ वेतन और पद के अंतर को कम करने तथा रैंक



संरचना को सरल बनाने के लिए उठाया जा रहा है। सेना का मौजूदा रैंक ढांचा पिरामिड के आकार का है. लेफ्टिनेंट कर्नल और उससे नीचे के पदों पर अधिकारियों की संख्या बहुत अधिक है, जबकि ऊपरी पद सीमित हैं. इससे प्रमोशन में देरी होती है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है आपका वोट आपके वोट से ही सरकार बनती है: डॉ. चरण दास महंत





सक्ती। वार्ड क्रमांक 1 एवं ग्राम रगजा में कांग्रेस द्वारा आयोजित वोट बचाओ देश बचाओ जनचौपाल कार्यक्रम नेता प्रति डॉ चरण दास पहुंचे जहां बाबा अंबेडकर, भगवान बिरसामुंडा के तैल चित्र पर माल्यार्पण दीप प्रज्वलित कर बाबा अंबेडकर जी बिरसामुंडा के जन्म जयंती पर उन्हे याद किया वोट बचाओ देश बचाओ जन चौपाल कार्यक्रम का शुरुआत नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर चरण दास महंत सर्वप्रथम नगर के वार्ड क्रमांक एक में जन चौपाल में वार्ड की महिला पुरुषों से जन चर्चा की महिलाओं ने बताया भाजपा के सरकार में हम गृहणियों का चूल्हा चौका का बजट पूरी तरह से बिगड़ गया है खाद्य सामग्री का भाव इतना बढ़ गया है कि हम दिनचर्या का सामान खरीदने के लिए असमर्थ हो गए हैं वहीं ग्राम पंचायत रगजा में आयोजित जन चौपाल में वोट बचाओ देश बचाओ जन चौपाल कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत ने उपस्थित सभी ग्रामीण जन महिला पुरुष से जन संवाद करते हुए चर्चा की जिस पर ग्रामीण महिलाओं ने कहा भाजपा सरकार से हम महिलाएं ठगी गई हैं भाजपा हमें प्रत्येक माह महतारी योजना के तहत 1 हजार रुपए दे रही है और वही सरकार हमसे चावल दाल अन्य सामग्रियों पर डबल रेट कर एवं हमारे घरों में जो मीटर पुराने लगे थे उनमें बिल बहुत कम मात्रा में आता और बिजली बिल हाफ था परंतु बीजेपी के सरकार में स्मार्ट मीटर लगने से बिजली बिल का भुगतान डबल करना पड़ रहा है हमें भाजपा सरकार 12हजार देकर 24 हजार वसूल रही है जिससे हम त्रस्त हो गए हैं वहीं नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत के नेतृत्व में जिले में वोट की सुरक्षा को लेकर सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अब गांवों में जनसंवाद तेज कर दिया है। जिसके अंतर्गत ग्राम रगजा में वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत मंडल स्तरीय चौपाल संवाद का आयोजन किया गया।

जहां ग्रामीणों से लेकर बूथ पदाधिकारियों तक को मतदाता सूची की बारीकियों और अपने मताधिकार के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। ग्राम पंचायत रगजा में आयोजित इस चौपाल संवाद में नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत एवं कांग्रेस नेताओं ने वोट चोरी के आरोपों और लोकतंत्र की मजबूती जैसे मुद्दों पर ग्रामीणों से विस्तार से चर्चा कर कार्यक्रम में उपस्थित बूथ अध्यक्षों, बूथ लेवल एजेंटों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों को मतदाता सूची पर विशेष नजर रखने की समझाइश दी गई। महंत ने कहा कि मतदाता सूची जारी होने के बाद प्रत्येक नाम का बारीकी से सत्यापन करें। यदि किसी पात्र मतदाता का नाम सूची से कट गया है, तो उसे नियमानुसार जुड़वाने और नए पात्र मतदाताओं के नाम शामिल कराने के लिए सक्रियता से काम करें। चौपाल के जरिए कांग्रेस ने बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने और मताधिकार की रक्षा के लिए कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राकेश राठौर विधायक प्रतिनिधि गुलजार सिंह ठाकुर विधायक प्रतिनिधि नरेश गेवाडीन जिला विधायक प्रतिनिधि गिरधर जायसवाल पिंटू ठाकुर लाला सोनी सत्यम कसेर बलराम पांडे दिगंबर चौबे जिला महिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मेनका जायसवाल गीता देवांगन विजया जायसवाल अलका जायसवाल । राजू राठौड़ राकेश राठौर चांदनी सहिस अमित राठौर मनोज जायसवाल श्याम सोनी चंद्र कुमार सोनी रथराम पटेल रूपनारायण साहू जिला अध्यक्ष मंडल बूथ अध्यक्ष, ग्रामीण अध्यक्ष, युवा कांग्रेस एवं वरिष्ठ कांग्रेसजन ग्रामीण महिला पुरूष बड़ी संख्या में शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार



जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रेम भुवन प्रताप सिंह उच्चतर माध्यमिक रायगढ़ के निर्देशानुसार सेजेस भटगांव में जागरूकता शिविर का आयोजन

भटगांव। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायगढ़ के अध्यक्ष प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश एवं सचिव के निर्देशानुसार 14 नवम्बर बाल दिवस पर शा. प्रेम भुवन प्रताप सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भटगांव में जागरूकता शिविर किया गया जिसमें मुख्य वक्ता पुनीतराम गुरुपंच अध्यक्ष (व्यवहार न्यायाधीश) तालुका विधिक सेवा समिति भटगांव द्वारा सुरक्षित बचपन अभियान के तहत जागरूकता शिविर के माध्यम से बच्चों को जानकारी दिया गया । जिसमें बताया गया की प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, संरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना है, बच्चों बालकों के लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम), की जानकारी, बच्चों के अधिकार, बाल श्रम निषेध, नालसा डॉन योजना के अंतर्गत , बाल विवाह के प्रति जागरूक, टोनही प्रताड़ना अधिनियम, मोटरयान अधिनियम (नाबालिक बच्चों को वाहन नहीं चलाने की सलाह) दिया गया. बाल शोषण एवं बच्चों के साथ होने वाले शारीरिक एवं मानसिक शोषण बच्चों को अच्छे और बुरे स्पर्श की पहचान, बाल तस्करी जैसे गंभीर विषयों के संबंध में जानकारी, साइबर अपराधों से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दिया गया और अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहने तथा किसी भी अनुचित व्यवहार की स्थिति में अपने अभिभावकों, शिक्षकों अथवा संबंधित अधिकारियों को जानकारी देने के लिए प्रेरित किया गया. किसी भी प्रकार के बाल शोषण या बाल अधिकारों के उल्लंघन की जानकारी मिलने पर उचित कार्रवाई हेतु संबंधित विभाग को सूचित करना चाहिए।

गोंडवाना भवन बलौदा बाजार में मनाई गई भगवान बिरसा मुंडा की जयंती

बलौदा बाजार । आदिवासी धरुव गोंड समाज खल्लारी महाकालेश्वर महासभा बलौदाबाजार द्वारा गोंडखपरी चक के गोंडवाना भवन बलौदा बाजार में आदिवासी समाज के महानायक जननायक व स्वतंत्रता के अमर सेनानी धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उनके द्वारा किये गये जल, जंगल, जमीन की रक्षा, अपनी संस्कृति, अपनी पहचान और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष, साहस और बलिदान को याद करते हुए बड़े ही हर्षोल्लास के साथ जंयती मनाया गया द्य बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर खल्लारी महाकालेश्वर महासभा के द्वारा सामाजिक नियमावली (बैलाज) पुस्तक का विमोचन एवं वाचन मातृ शक्ति – पितृ शक्ति, युवा शक्ति – युवती शक्ति एवं समस्त सगा समाज के बीच किया गया। जिसमें महासभा के अध्यक्ष कार्यकारणी और चको के सरपंच, मंत्रिमंडल एवं रायपंचो ने सबसे पहले स्वयं (खुद) कड़ाई से नियमावली का पालन करने और उसके बाद कराने का सहमती दिया गया और जो नियमावली का पालन नहीं करेगा उसके ऊपर उचित कार्यवाही किया जायेगा। समाज में जन्म संस्कार, विवाह संस्कार और मृत्यु संस्कार का जितने भी नेंग – जोग, रीति – नीति, नियम – संयम होता है उसको पूरी ईमानदारी से पालन करने का सहमती दिया गया। जन्म संस्कार के छठी में कपड़ा के स्थान में पैसा और मृत्यु संस्कार में काठी एवं दशगात्र में कपड़ा के स्थान पर रुपया पैसा देने का नियम बना और शराब पीकर सामाजिक कार्यक्रम में व्यवधान उत्पन्न करता है तो भी कार्यवाही किया जायेगा।

जंगल में बाघ की दस्तक, तीन दिन से लोकेशन गायब, तेंदुए की मौत के बाद अब बाघ की सुरक्षा पर सवाल!

सारंगढ़-बिलाईगढ़। बिलाईगढ़ वन परिक्षेत्र के गाताडीह सर्किल अंतर्गत किसड़ा जंगल में 9 नवंबर को बाघ देखे जाने की सूचना मिली। 11 नवंबर को गांव में मुनादी कराई गई, लेकिन तीन दिन बाद भी बाघ की लोकेशन का पता नहीं चलना वन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल है। सबसे बड़ा सवाल डिप्टी राधिका सिदार की मुख्यालय में उपस्थिति को लेकर है। जानकारी के अनुसार, उनका मुख्यालय छोड़कर करीब 20 किलोमीटर दूर भटगांव में किराए पर रहने की बात सामने आई है, जबकि मुख्यालय में सरकारी क्वार्टर उपलब्ध है। आखिर मुख्यालय में रहकर निगरानी क्यों नहीं की जा रही ? वहीं रेंजर माखनलाल बंजारे की कार्यप्रणाली पर भी सवाल हैं। पहले तेंदुए की संदिग्ध मौत और अब बाघ की लोकेशन का पता नहीं चलना, आखिर वन विभाग की निगरानी व्यवस्था कितनी प्रभावी है ? *ग्रामीणों से अपील:अकेले जंगल न जाएं, देर रात जंगल में घूमने से बचें। बाघ दिखाई देने पर उसके पास न जाएं और तत्काल वन विभाग को सूचना दें। वन विभाग के आला अधिकारी रेंजर माखनलाल बंजारे, डिप्टी राधिका सिदार और संबंधित बीट गार्ड की भूमिका की तत्काल जांच करें। मुख्यालय में निवास और गश्त के रिकॉर्ड की जांच कर लापरवाही प्रमाणित होने पर कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाए।आखिर बाघ कहां है ? उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है ? वन विभाग कब जवाब देगा ?



श्री कृष्ण गौशाला नैला में मंगलवार को मनाया जाएगा गोपाष्टमी पर्व, विधि-विधान से होगी गौमाता की पूजा

नैला-जांजगीर। श्री धर्म सेवा समिति नैला द्वारा संचालित श्री कृष्ण गौशाला परिसर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मंगलवार, 17 नवंबर को गोपाष्टमी पर्व पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। श्री कृष्ण गौशाला समिति के अध्यक्ष राजेश पालीवाल ने बताया कि गोपाष्टमी के अवसर पर गौशाला परिसर में विधि-विधान से गौमाता की पूजा-अर्चना और सेवा की जाएगी। इस दौरान गौमाता को भोग स्वरूप गुड़, चना और हरा चारा खिलाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि समिति द्वारा नैला स्थित इस गौशाला में वर्षों से निस्सहाय, बीमार और अपंग गायों की नि:स्वार्थ सेवा व देखभाल की जा रही है।



आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति के सचिव पवन अग्रवाल, प्रदीप गोयल, पंकज अग्रवाल, मनोज अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी तैयारियों में जुटे हुए हैं। गोपाष्टमी पर्व पर गऊओं की पूजा भगवान श्री कृष्ण को अत्यंत प्रिय है और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गौमाता में सभी देवताओं का वास होता है। इस पावन अवसर पर कई स्थानों पर गायों की उपस्थिति में प्रभातफेरी व सत्संग संपन्न होते हैं। गोपाष्टमी की पूर्व संध्या पर शहर के मंदिरों में सत्संग-भजन और रात्रि कीर्तन के माध्यम से श्रद्धालु भक्ति रचनाओं का रसपान करते हैं। मान्यता है कि सच्चे मन से की गई गौ-सेवा से मनुष्य का जीवन धन्य हो जाता है और परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से सप्तमी तिथि तक भगवान श्री कृष्ण ने ब्रजवासियों की रक्षा के लिए अपनी कनिष्ठा उंगली पर गोवर्धन पर्वत को धारण किए रखा था। आठवें दिन जब देवराज इंद्र का अहंकार टूटा, तो वे भगवान श्रीकृष्ण की शरण में आकर क्षमा याचना करने लगे।

छत्तीसगढ़ प्रदेश सेवानिवृत पुलिस अधिकारी कल्याण एसोसिएशन का दीपावली स्नेह मिलन समारोह संपन्न





भिलाई नगर। इस्पात नगरी भिलाई में छत्तीसगढ़ प्रदेश सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी कल्याण एसोसिएशन के सेक्टर 7 स्थित कार्यालय में रविवार को दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन संपन्न हुआ, जिसकी अध्यक्षता सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक , एसोसिएशन के अध्यक्ष बी बी एस ठाकुर ने की। इस अवसर पर एसोसिएशन के संरक्षक आर पी शर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

दीपावली स्नेह मिलन समारोह में सेवानिवृत पुलिस अधिकारियों ने एक दूसरे को दीपावली पर्व की बधाई देते हुए मिठाई खिलाकर मुंह मीठा किया।

एसोसिएशन के अध्यक्ष बीबीएस ठाकुर ने उपस्थित सभी सेवानिवृत पुलिस अधिकारियों का सुख-दुख पूछते हुए सभी को दीपावली पर्व की बधाई दी इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने अपने-अपने अनुभव शेयर किया। समारोह में व्ही. एस. दवे,पी. एस. तिवारी, भारत भूषण शर्मा, अजीत यादव, वीरेंद्र सतपति, एसोसिएशन के महासचिव दिग्विजय सिंह परिहार, श्रीकांत द्विवेदी, रविंद्र उपाध्याय, प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव, जगदीश उइके, विजय शर्मा, सुभाष सिंह गौर, एन.बी. सिंह, सुरेश तिवारी लक्ष्मन सिंह, उमेश अवस्थी, चिंतामणि वैष्णव, राजाराम भुआर्य, ईश्वरी लाल यदु, सुधाकर शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

गुंजन एजुकेशन सेंटर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया फनफेयर एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता..



सक्ती। बाल दिवस के अवसर पर गुंजन एजुकेशन सेंटर, स्टेशन रोड, सक्ती में भव्य पनफेयर एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं कलात्मक कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में द्रौपदी चंद्रा, अध्यक्ष जिला पंचायत सक्ती , एवं महेश चंद्रा उपस्थित रहे। वहीं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के विशेष अतिथि के रूप में मधु सलूजा एवं रिंकी अग्रवाल ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में विद्यालय के संचालक नितिन सोनी एवं अन्नपूर्णा सोनी भी उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। इसके पश्चात दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न आकर्षक एवं प्रेरणादायक वेशभूषाओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं फनफेयर में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए गए, जिनमें स्वादिष्ट व्यंजनों, मनोरंजक गतिविधियों एवं रचनात्मक प्रस्तुतियों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

शादी कार्ड की APK फाइल भेज 98 हजार की ठगी करने वाला आरोपी केरल से गिरफ्तार

- नैला के व्यापारी के मोबाइल को हैक कर SBI खाते से उड़ाई थी रकम



जांजगीर-चांपा। साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन ठगी के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए केरल के मल्लपुरम जिले से आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने व्हाट्सएप पर शादी के निमंत्रण कार्ड के बहाने एपीके फाइल भेजकर नैला स्टेशन रोड निवासी व्यापारी का मोबाइल हैक किया था और खाते से 98 हजार रुपये निकाल लिए थे। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, नैला स्टेशन रोड निवासी राजेश कुमार थवाईत के व्हाट्सएप पर 6 जून 2026 को शादी कार्ड के नाम से एपीके फाइल आई थी। फाइल डाउनलोड करते ही मोबाइल हैक हो गया और लिंक एसबीआई बैंक खाते से 98 हजार रुपये पार हो गए। शिकायत पर साइबर थाना में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में साइबर टीम ने NCRP पोर्टल से मिले बैंक खाते के सुराग के आधार पर केरल के कोण्डोट्टी (मल्लपुरम) में दबिश देकर आरोपी अब्दुल अजीज (29) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने ठगी की रकम निकालकर घरेलू खर्च में उपयोग करना स्वीकार किया। जांच में उसके खाते में गुजरात से जुड़ी 21 हजार रुपये की अन्य संदिग्ध रकम भी मिली है।

अब मुफ्त सजेगा दूल्हा-दुल्हन का जोड़ा, नई योजना की शुरुआत

भिलाई नगर,एजेंसी। अपने अनूठे जनकल्याणकारी नवाचारों के लिए प्रदेश ही नहीं बल्कि देशभर में चर्चित वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने क्षेत्रवासियों को एक और बड़ी सौगात दी है। विधायक रिकेश ने आज वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के निवासियों के लिए एक नई योजना का शुभारंभ किया है, जिसके तहत अब क्षेत्र में होने वाले विवाह समारोहों में दूल्हे को शेरवानी और दुल्हन को लहंगा पूरी तरह निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य मध्यम एवं निम्नवर्गीय परिवारों पर शादी के दौरान पड़ने वाले भारी आर्थिक बोझ को कम करना है, ताकि हर परिवार बिना किसी चिंता के अपने बच्चों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न कर सके। विधायक रिकेश सेन ने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि वैशाली नगर विधानसभा अंतर्गत आने वाले परिवारों में जब भी किसी बेटे या बेटी का विवाह तय होगा, तो उन्हें इस योजना के माध्यम से शादी के मुख्य परिधान निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे।

कलेक्टर ने डोड़की धान उपार्जन केन्द्र पहुंचकर किसानों को सम्मानित कर धान खरीदी कार्य का किया शुभारंभ

- आज से शुरू हुआ धान खरीदी का सबसे बड़ा अभियान, जिले में सारी तैयारियां पूर्ण...



सक्ती । राज्य शासन की मंशा के अनुरूप जिले में 15 नवम्बर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का सबसे बड़ा अभियान शुरू हो गया है। किसान हित में राज्य सरकार का लगभग ढाई महीने तक चलने वाला यह सबसे बड़ा अभियान होगा। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती जयजैन और जिला सहकारी उपाध्यक्ष रजनी साहू ने आज डोडकी धान उपार्जन केन्द्र पहुँचकर धान खरीदी के कार्यों का निरीक्षण किया तथा धान उपार्जन केन्द्र डोडकी में धान विक्रय करने पहुंचे किसान किसान राम कुमार और किसान संतोष कुमार को सम्मानित कर जिले में धान खरीदी कार्य का शुभारंभ किया। धान खरीदी के शुभारंभ अवसर पर आज विकासखण्ड सक्ती अंतर्गत धान उपार्जन केंद्र डोडकी में डोडकी निवासी किसान राम कुमार पिता एसे राम ने आज 10.80 क्विंटल धान विक्रय के लिए पहुंचे। इसी प्रकार डोडकी निवासी किसान संतोष कुमार पिता गोसाईं राम ने आज 6 क्विंटल धान विक्रय करने के लिए पहुंचे। जिस पर कलेक्टर जैन और जिला सहकारी उपाध्यक्ष रजनी साहू की उपस्थिति में किसानो से सुव्यवस्थित रूप से धान खरीदी की गई। इस अवसर पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित की उपाध्यक्ष श्रीमती रजनी साहू ने कहा कि आज से धान खरीदी प्रारंभ हो रही है। उन्होंने सभी पात्र किसानों से उपार्जन केंद्रों में धान विक्रय कर शासन की योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री किसानों के हितों के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी की निर्धारित सीमा से कम धान विक्रय करने वाले पात्र किसानों को भी 21 क्विंटल के मान से कृषक उन्नति योजना अंतर्गत आदान सहायता राशि का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पारदर्शिता के साथ सुचारू रूप से धान खरीदी सुनिश्चित करने तथा किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इशका ध्यान रखे जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती जैन ने धान खरीदी केन्द्र में लाये गए धान में नमी की मात्रा का अपनी उपस्थिति में जाँच कराया।

किसानों को शाल ओढ़ाकर दिया सम्मान

धान खरीदी महापर्व का आगाज: कलेक्टर ने पूजा कर किया शुभारंभ

बेमेतरा। जिले में धान खरीदी महापर्व कासे विधिवत शुभारंभ हो गया। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने धान उपार्जन केंद्र मोहतरा एवं बिलई पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर खरीदी की शुरुआत की। शुभारंभ के अवसर पर कलेक्टर ने स्वयं किसानों को शाल ओढ़ाकर आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने केंद्र प्रभारियों से धान खरीदी, तौल और भुगतान की व्यवस्था की विस्तार से जानकारी ली और किसानों से सीधा संवाद किया। कलेक्टर ने कहा कि जिले के किसी भी किसान को धान बेचने में कोई असुविधा नहीं होगी।

सभी केंद्रों में एक साथ शुरू हुई खरीदी

कलेक्टर के निर्देश पर आज जिले के



सभी धान उपार्जन केंद्रों में एक साथ खरीदी शुरू हो गई। सभी केंद्रों में नोडल अधिकारियों ने पहुंचकर शुभारंभ कराया।सुबह से ही किसान अपनी धान लेकर केंद्रों में पहुंचने लगे थे। किसानों में इस बार खरीदी को लेकर खासा उत्साह देखा गया।

पारदर्शिता पर सख्त निर्देश,

गड़बड़ी बर्दाश्त नही

कलेक्टर सुश्री ममगाईं ने केंद्र प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि धान खरीदी में पूरी पारदर्शिता रखी जाए। तौल में गड़बड़ी, किसानों से दुर्व्यवहार या अनावश्यक विलंब बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों को टोकन, तौल और भुगतान की पूरी जानकारी समय पर दी जाए। केंद्र में पीने का पानी, छाया, बैठने की व्यवस्था, शौचालय, बारदाने, हमाल और तौल कांटा की पर्याप्त व्यवस्था अनिवार्य रूप से हो। धान की नमी जांच और गुणवत्ता परीक्षण किसानों के सामने किया जाए। भुगतान में किसी भी प्रकार की देरी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। केंद्रों में रोजाना साफ-सफाई, रिकॉर्ड संधारण और सीसीटीवी व्यवस्था दुरुस्त रखने के भी निर्देश दिए गए।

किसानों को दिया भरोसा

मोहतरा और बिलई में किसानों से बातचीत के दौरान कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशा है कि किसानों को उनकी मेहनत का पूरा दाम, सही समय पर और सम्मान के साथ मिले। धान खरीदी केंद्र किसानों की सेवा के लिए हैं, इसलिए हर किसान को सहयोग करना अधिकारियों की पहली जिम्मेदारी है। कलेक्टर ने किसानों से अपील की कि वे अपने टोकन के अनुसार ही धान लेकर आएं, ताकि भीड़ और अव्यवस्था न हो और खरीदी सुविधाजनक रूप से हो सके।

नोडल अधिकारियों को निर्देश

कलेक्टर ने नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने केंद्रों का नियमित निरीक्षण करें, किसानों की शिकायतों का तुरंत निराकरण करें और हर दिन की खरीदी की रिपोर्ट जिला प्रशासन को भेजें। इस अवसर पर संबंधित एसडीएम, तहसीलदार, खाद्य अधिकारी, सहकारी समिति के प्रबंधक, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। धान खरीदी के शुभारंभ से जिले के किसानों में खुशी की लहर है। किसानों ने जिला प्रशासन की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि इस बार खरीदी सुचारू और पारदर्शी तरीके से होगी, इसका उन्हें पूरा भरोसा है।

संक्षिप्त समाचार

रायपुर में चोरी, झपटमारी और सड़क हादसे के मामले दर्ज, जुआ खेलते दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी में चोरी, झपटमारी और जुआ खेलने के मामले सामने आए हैं। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अज्ञात आरोपियों ने दोपहिया वाहन, मोबाइल, नकदी और नल मीटर चोरी कर लिए। वहीं आमानाका थाना क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका भाई घायल हो गया। पुलिस ने सभी मामलों में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।सिविल लाइन थाना क्षेत्र में चोरी और झपटमारी की दो घटनाएं दर्ज की गई हैं। पहली घटना में लोचन दास की होंडा एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 एलएस 4026, जिसकी कीमत करीब 20 हजार रुपये बताई गई है, न्यू भारत नगर में खड़ी थी। 8 नवंबर की रात करीब 8:30 बजे अज्ञात चोर वाहन चोरी कर ले गया। पुलिस ने 12 नवंबर को रिपोर्ट पर अपराध दर्ज किया। दूसरी घटना में चुनाभट्ठी निवासी रमेश मानापुरे के साथ झपटमारी हुई। 12 नवंबर की रात करीब 11:15 बजे वे ई-रिक्शा से संतोषी नगर चौक से फाफाडीह चौक जा रहे थे। इसी दौरान आर्ट्सजोन गार्डन के पास ई-रिक्शा चालक और उसके एक साथी ने उनके हाथ से तीन हजार रुपये नकद और पांच हजार रुपये कीमत का वीवो मोबाइल फोन झपट लिया और फरार हो गए।टिकरापारा थाना क्षेत्र में भाठागांव चौक के पास लोकेश गर्ग के घर के बाहर लगे नल का मीटर और सॉकेट अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। चोरी गए सामान की कीमत करीब 5,500 रुपये बताई गई है। घटना 22 अक्टूबर की शाम की है।

छत्तीसगढ़ के एमसीबी में जिला अस्पताल के ड्रेसर से मारपीट

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के जिला अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात एक स्वास्थ्यकर्मी (ड्रेसर) के साथ मारपीट और गाली-गलौज किए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना से अस्पताल के अन्य कर्मचारियों में भारी आक्रोश है। जानकारी के अनुसार, जिला अस्पताल में कार्यरत ड्रेसर जब अपनी ड्यूटी कर रहे थे, तभी आरोपी ने उनके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए गाली-गलौज की और मारपीट की। अस्पताल परिसर में हुई इस घटना के बाद बड़ी संख्या में स्वास्थ्यकर्मी एकजुट होकर स्थानीय पुलिस थाने पहुंचे और मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई। स्वास्थ्यकर्मियों ने कार्यस्थल पर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल संज्ञान लिया है और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

रायपुर में डिलीवरी बॉय को बाइक से टक्कर मारकर लूटा, 5 हजार नकद और सोने की अंगूठी लेकर हुए फरार; दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी में डिलीवरी बॉय को निशाना बनाकर लूटपाट करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पहले बाइक से टक्कर मारकर डिलीवरी बॉय को सड़क पर गिराया और फिर उसके साथ मारपीट कर नकदी और सोने की अंगूठी लूट ली। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक भी जब्त कर ली है। मामला आमानाका थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित हबीब खान स्विगी इंस्टामार्ट में डिलीवरी बॉय का काम करता है। 10 नवंबर को वह अपनी एक्टिवा से महोबा बाजार से सरोना की ओर पार्सल पहुंचाने जा रहा था। इसी दौरान डुमर तालाब के पास बाइक सवार दो युवकों ने उसकी एक्टिवा को टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिर गया। इसके बाद आरोपियों ने उससे पैसों की मांग शुरू कर दी। पीड़ित के विरोध करने पर एक अन्य व्यक्ति भी मौके पर पहुंच गया। तीनों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की और जेब में रखे पर्स से 5 हजार रुपये नकद तथा हाथ में पहनी सोने की अंगूठी लूटकर फरार हो गए। घटना की शिकायत मिलने पर आमानाका पुलिस ने अपराध क्रमांक 376/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(6) और 3(5) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

भनपुरी की गजराज पॉलीमर फैक्ट्री में भीषण आग, रातभर चला दमकल का रेस्क्यू अभियान

रायपुर। राजधानी रायपुर के औद्योगिक क्षेत्र भनपुरी में गुरुवार देर रात गजराज पॉलीमर इंडस्ट्री में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। फैक्ट्री में अचानक लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग की ऊंची लपटों और धुएं के घने गुबार को देखकर आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग, जिला प्रशासन और पुलिस की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं। आग की गंभीरता को देखते हुए रातभर बचाव एवं राहत अभियान चलाया गया। पॉलीमर फैक्ट्री में आग तेजी से फैलने के कारण दमकल कर्मियों को उस पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी ने पकड़ी रफ्तार

33 जिलों के 1,606 केंद्रों में शुरू हुआ उपार्जन अब तक 1.98 लाख क्विंटल धान की खरीदी...

रायपुर/ संवाददाता



छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का आगाज हो गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जनजातीय गौरव दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में शामिल होने धरमजयगढ़ पहुंचे और खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल की उपस्थिति में धान खरीदी का शुभारंभ किया। राज्य सरकार ने इस वर्ष किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान की खरीदी 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से करने की व्यवस्था की है। किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि निर्धारित 21 क्विंटल प्रति एकड़ से कम धान बेचने वाले पात्र किसानों को भी कृषक उन्नति योजना के तहत प्रति एकड़ 13,839 रुपये की पूरी आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इस निर्णय से विशेष रूप से कम उत्पादन वाले जनजातीय एवं वनांचल क्षेत्रों के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कई बार कम उत्पादन अथवा अन्य परिस्थितियों के कारण किसान निर्धारित 21 क्विंटल प्रति एकड़ के अनुपात में धान नहीं बेच पाते। ऐसी स्थिति में भी पात्र किसानों को उनके सत्यापित रकबे के आधार पर पूरी आदान सहायता राशि मिलेगी। उदाहरण के तौर पर यदि कोई पात्र किसान प्रति एकड़ 15 क्विंटल धान बेचता है, तो शेष 6 क्विंटल के बराबर की आदान सहायता राशि भी उसे प्रदान की जाएगी। इस प्रकार किसानों को प्रति एकड़ 13 हज़ार 839 रुपये की पूरी निर्धारित सहायता मिलेगी। राज्य सरकार किसानों की आर्थिक समृद्धि और उनकी मेहनत का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार द्वारा इस खरीफ विपणन वर्ष में प्रदेश के लगभग 27 लाख 50 हजार किसानों से धान खरीदी के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रदेश के 33 जिलों में कुल 3,095 धान उपार्जन केंद्रों की व्यवस्था की गई है। 15 नवंबर 2026 की स्थिति में इनमें से 2,805 केंद्रों में टोकन जारी किए जा चुके हैं, जबकि 1,606 केंद्रों में धान खरीदी प्रारंभ हो गई है। इन केंद्रों के माध्यम से अब तक कुल 1,98,364.80 क्विंटल धान का उपार्जन किया जा चुका है। इसमें 1,10,979.20 क्विंटल मोटा धान, 80,489.60 क्विंटल पतला धान तथा 6,896 क्विंटल सरना धान शामिल है। जिलेवार आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में धान खरीदी की गतिविधियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। बालोद जिले में 161 उपार्जन केंद्रों में से सभी 161 केंद्रों में टोकन जारी किए जा चुके हैं तथा 123 केंद्रों में खरीदी प्रारंभ हो गई है। यहां अब तक सर्वाधिक 24,676 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है। राजनांदगांव जिले के 122 उपार्जन केंद्रों में सभी केंद्रों में टोकन जारी किए गए हैं तथा 115 केंद्रों में खरीदी शुरू हो चुकी है। यहां 26,464.40 क्विंटल धान का उपार्जन दर्ज किया गया है। महासमुंद जिले में 202 केंद्रों में से 201 में टोकन जारी हुए तथा 176 केंद्रों में खरीदी प्रारंभ हुई है। यहां 20,444.80 क्विंटल धान खरीदा गया है। धमतरी जिले में 108 केंद्रों में सभी में टोकन जारी हुए तथा 99 केंद्रों में खरीदी शुरू हो चुकी है। यहां 19,829.20 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है। इसी प्रकार बेमेतरा जिले में 157 उपार्जन केंद्रों में सभी केंद्रों में टोकन जारी हुए तथा 118 केंद्रों में खरीदी प्रारंभ हुई है। यहां 16,320.40 क्विंटल धान का उपार्जन किया गया है।

मंजूरी प्राप्त निविदा वाले कार्यों के कार्यादेश जल्द जारी करने के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने आज तीन अलग-अलग बैठकें लेकर विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मंत्रालय में बस्तर संभाग में आर.आर.पी. और आर.सी.पी. एल. डब्ल्यू.ई.ए. के तहत निर्माणाधीन सड़कों व पुलों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्माण तथा निर्माण सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ठेकेदारों से बेहतर समन्वय और संवाद स्थापित करते हुए सभी कार्यों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने कार्यों में प्रगति नहीं लाने वाले और हीला-हवाला करने वाले ठेकेदारों पर कार्रवाई करते हुए उनके पंजीयन निरस्त करने के निर्देश दिए। बंसल ने सड़कों पर ब्लैक-स्पॉट्स को दूर करने विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने आर.टी.ओ. और एस.पी. कार्यालयों से समन्वय कर ब्लैक-स्पॉट्स दूर करने आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने इसके लिए तत्परता से काम कर सड़कों पर जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सी.आई.आर.एफ और नाबार्ड से सहायता प्राप्त परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने पीडब्लूडी मुख्यालय 'निर्माण भवन' में विद्युत एवं यांत्रिकी परिक्षेत्र के कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी निर्माण कार्यों में अच्छी गुणवत्ता की सामग्री और अप्लाइंसेस उपयोग करने को कहा। उन्होंने उपकरणों, भवनों एवं परिसंपत्तियों का किफायती रखरखाव सुनिश्चित करते हुए मितव्ययता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत एवं यांत्रिकी कार्यों के लिए ठेकेदारों को भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2025-26 तक के सभी बिलों का भुगतान दिसम्बर तक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी लंबित भुगतानों की जानकारी एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराने को कहा।

आदिवासी महिलाओं की अस्मिता.... और सशक्तिकरण का नया अध्याय

रायपुर। संवाददाता

भारत की स्वतंत्रता, संस्कृति और विरासत के संरक्षण में जनजातीय समाज का योगदान अविस्मरणीय है। अन्याय और शोषण के विरुद्ध 'उलगुलान' का शंखनाद करने वाले धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर मनाया जा रहा जनजातीय गौरव दिवस हमें अपने महान नायकों के साहस, स्वाभिमान और बलिदान का स्मरण कराता है। शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुण्डाधूर, शहीद गेंद सिंह, रानी दुर्गावती और ठाकुर रामप्रसाद पोटाई जैसे जननायकों का संघर्ष हमारी साझा विरासत है। इस पावन अवसर पर मैं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में जनजातीय समाज के गौरव और योगदान को राष्ट्रीय पहचान मिली है। वर्ष 2021 में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किए जाने के बाद से जनजातीय अंचलों के विकास को नई गति मिली है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के संवेदनशील नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का संकल्प दूरस्थ वनांचलों तक पहुंच रहा है। शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। जनजातीय समाज की मजबूती में माताओं और बहनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से हम उनके सम्मान, सुरक्षा, पोषण और आर्थिक आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दे रहे हैं। महतारी वंदन योजना से प्रदेश की 20 लाख 28 हजार 803 आदिवासी महिलाएं सीधे लाभान्वित हो रही हैं। यह आर्थिक सहायता उन्हें परिवार के पोषण, बच्चों की शिक्षा और रोजमर्रा की जरूरतों में अपने स्तर पर निर्णय लेने का संबल देती है।

वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी रायगढ़ में छठ महापर्व के संध्या अर्घ्य में हुए शामिल व्रती माताओं-बहनों एवं क्षेत्रवासियों को दी छठ पूजा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं



भूपेश बघेल का भाजपा पर हमला

जाति और भगवान के नाम पर लोगों को बांटने की राजनीति की जा रही....

रायपुर। संवाददाता



छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर स्थित अपने निवास पर गोवर्धन तिहार धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर अपनी बात रखते हुए भाजपा और केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में समाज, जाति और भगवान के नाम पर लोगों को बांटने की राजनीति की जा रही है। भूपेश बघेल ने डबल इंजन सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश इस समय संक्रमण काल से गुजर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग देश में विद्रोह और विभाजन की स्थिति पैदा करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बस्तर दौरे का उल्लेख करते हुए बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री भेष बदलने में माहिर हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के दिमागी नक्सलियों संबंधी बयान पर टिप्पणी करते हुए आरोप लगाया कि सरकार के विरोध में आवाज उठाने वालों को भी दिमागी नक्सली कहा जा रहा है। बघेल ने कहा कि राहुल गांधी अन्याय और अत्याचार के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी की भूमिका की सराहना करते हुए उन्हें वैदिक सितारे की तरह उभरता हुआ बताया। पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रदेश में धान खरीदी की तैयारियों को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि खरीदी का समय नजदीक है, लेकिन पटवारियों की हड़ताल के कारण किसानों की परेशानियां बढ़ रही हैं। बघेल ने एक कोटवार का हवाला देते हुए बताया कि उसके परिवार की चार एकड़ जमीन गिरदावरी से कट गई है।

राहुल गांधी का प्रधानमंत्री बनना मुश्किल, 2029 में मोदी के साथ खेलेंगे क्रिकेट और लेंगे उनकी विकेटः रामदास

रायपुर। केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले दो दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने रायपुर के सिविल लाइन स्थित सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राजनीतिक मुद्दों पर अपनी बात रखी। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के वोट चोरी के आरोपों और राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने की संभावनाओं को लेकर तीखा बयान दिया। रामदास अठावले ने कहा कि राहुल गांधी का प्रधानमंत्री बनना अब मुश्किल नजर आ रहा है। उन्होंने अपने पुराने राजनीतिक अनुभव का जिक्र करते हुए बताया कि जब वह कांग्रेस में थे, तब उन्होंने सोनिया गांधी को सुझाव दिया था कि राहुल गांधी को ढाई साल के लिए प्रधानमंत्री बनाया जाए, लेकिन उस समय उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया गया। अठावले ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा देश उनके साथ खड़ा है और आने वाले चुनावों में भी भाजपा तथा उसके सहयोगी दलों को जीत मिलेगी।

विकसित भारत जी राम जी योजना के लिए अगले 100 दिन अहम है....

रायपुर/ संवाददाता

विकसित भारत जी राम जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आगामी 100 दिनों को महत्वपूर्ण बताते हुए आयुक्त एवं प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के संचालक तारन प्रकाश सिन्हा ने अधिकारियों को स्वीकृत निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरे किए जाएं। साथ ही रोजगार सृजन, जल संरक्षण और ग्रामीण आजीविका संवर्धन से जुड़े नवाचार आधारित कार्यों को प्राथमिकता दी जाए। ठाकुर प्यारेलाल सिंह राज्य ग्रामीण विकास संस्थान, निमोरा में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला के दूसरे दिन अधिकारियों को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा कि विकसित भारत ञ्च2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए गांवों में टिकाऊ और गुणवत्तापूर्ण परिसंपत्तियों का निर्माण जरूरी है। उन्होंने जनभागीदारी के माध्यम से स्थानीय जरूरतों के अनुरूप कार्यों का चयन करने पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से पिछड़े जनजातीय समूहों, दिव्यांगजनों और एकल महिलाओं सहित वंचित वर्गों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने आजीविका डबरी, कंटूर ट्रेंच, बालिका शौचालय और मुक्तिधाम शेड जैसे रोजगारमूलक एवं जनोपयोगी कार्यों को प्राथमिकता से संचालित करने को कहा। उन्होंने बताया कि इन कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ जल संरक्षण और आजीविका संवर्धन को भी बढ़ावा मिलेगा।

धान खरीदी की बेहतर व्यवस्थाओं से किसान संतुष्ट

3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदी की सराहना

- चैनपुर उपार्जन केंद्र पहुंचे किसान बहादुर सिंह ने डिजिटल टोकन सुविधा और व्यवस्थाओं पर जताया संतोष, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति व्यक्त किया आभार

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश में 15 नवंबर से धान खरीदी का शुभारंभ होते ही किसानों में उत्साह और हर्ष का माहौल है। किसानों को धान उपज की सुव्यवस्थित उपार्जन व्यवस्था और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए शासन द्वारा की गई आवश्यक व्यवस्थाओं का सकारात्मक असर खरीदी केंद्रों पर देखने को मिल रहा है। डिजिटल टोकन सुविधा, व्यवस्थित तौल और पर्याप्त बारदाने की उपलब्धता से किसानों को धान विक्रय में सहूलियत मिल रही है। इसी कड़ी में एमसीबी जिले के ग्राम साल्ही निवासी किसान बहादुर सिंह अपनी 62 क्विंटल धान की उपज लेकर चौनपुर धान उपार्जन केंद्र पहुंचे। केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं और खरीदी की सुव्यवस्थित प्रक्रिया से संतुष्ट किसान बहादुर सिंह ने शासन की किसान हितैषी पहल की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। किसान बहादुर सिंह ने बताया कि इस वर्ष धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त करने में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने घर बैठे ही स्टोकन तुंहरश् मोबाइल ऐप के माध्यम से अपना टोकन प्राप्त कर लिया। इससे उन्हें उपार्जन केंद्र के चक्कर लगाने और लंबी कतारों में खड़े होने से राहत मिली। डिजिटल सुविधा



के कारण उनका समय और श्रम दोनों की बचत हुई है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन टोकन की व्यवस्था ने धान विक्रय की प्रक्रिया को पहले की तुलना में अधिक सरल और सुविधाजनक बना दिया है। बहादुर सिंह ने बताया कि चौनपुर धान उपार्जन केंद्र में किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। धान की तौल के लिए इलेक्ट्रॉनिक कांटा एवं माप उपकरण उपलब्ध हैं। वहीं, पर्याप्त बारदाने की उपलब्धता से धान विक्रय में किसी प्रकार की बाधा नहीं आ रही है। केंद्र में किसानों के बैठने और शौचालय की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र में खरीदी की प्रक्रिया व्यवस्थित ढंग से संचालित हो रही है। किसानों को अपनी उपज विक्रय करने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो रही है। बेहतर व्यवस्थाओं से किसानों का भरोसा बढ़ा है और वे सहजता के साथ अपनी उपज का विक्रय कर पा रहे हैं। किसान बहादुर सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी का निर्णय किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे किसानों को उनकी मेहनत और उपज का उचित मूल्य मिल रहा है। धान विक्रय से प्राप्त राशि किसानों के परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के साथ ही खेती-किसानी को आगे बढ़ाने में भी सहायक होती है।

संपादकीय

हेलीकॉप्टर हादसे और मुनाफे के चक्कर में ताक पर रखी जाती सुरक्षा?

उत्तराखंड में बढ़ते हेलीकॉप्टर हादसे और यात्रियों की मौतें गंभीर चिंता का विषय हैं। मुनाफाखोरी के चक्कर में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है। अगर सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो यह जानलेवा साबित हो सकता है।पिछले कुछ सालों से उत्तराखंड में धार्मिक स्थानों तक पहुंचने या अन्य जगहों पर पर्यटन के क्रम में जिस पैमाने पर हेलिकाप्टर से आवाजाही बढ़ी है, उसी अनुपात में उसके सुरक्षित होने को लेकर एहतियात बरतना जरूरी नहीं समझा जा रहा।यह बेवजह नहीं है कि अक्सर वहां से हेलिकाप्टर के हादसे का शिकार हो जाने और उसमें नाहक ही लोगों की मौत की घटनाएं सामने आने लगी हैं। पिछले हफ्ते शुक्रवार को बद्रीनाथ से देहरादून लौटते हुए एक हेलिकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पायलट सहित छह लोगों की जान चली गई।मरने वाले यात्री बंगलुरु के रहने वाले थे और बदरीनाथ के दर्शन करने के बाद लौट रहे थे। इस हादसे से एक बार फिर यही साबित हुआ है कि सुविधाओं के विकास और विस्तार के क्रम में इस बात का खयाल रखना जरूरी नहीं समझा जा रहा है कि एक मामूली-सी लापरवाही या तकनीकी खामी कैसे जानलेवा साबित हो सकती है।हाल के वर्षों में हिमालयी राज्य में हेलिकाप्टर हादसे और आपातकालीन स्थिति में उतारने जैसी अन्य घटनाओं का जैसा सिलसिला चल पड़ा है, उसके बाद पर्यटन के क्षेत्र में हेलिकाप्टर के संचालन और सुरक्षित यात्रा के भरोसे पर सवाल उठने लगे हैं।पिछले वर्ष जुलाई में नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने संसद में बताया था कि 2020 के बाद देश में बारह हेलिकाप्टर दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें सात अकेले उत्तराखंड में हुईं। इन हादसों में मरने वाले कुल तीस लोगों में से सिर्फ उत्तराखंड में इक्कीस लोग मारे गए।हैरानी की बात यह है कि पर्यटन के क्षेत्र में और खासतौर पर तीर्थ स्थलों पर हेलिकाप्टर के जरिए आवाजाही को बढ़ावा तो दिया जा रहा है, लेकिन इसके जोखिम को शून्य करने को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखती। साफ है कि इस मामले में निजी कंपनियों को अनुमति दिए जाने से लेकर व्यवस्थागत प्रबंधन और संचालन में बहुस्तरीय लापरवाही बरती जा रही है।सिर्फ ज्यादा मुनाफा कमाने की वजह से जिस तरह सुरक्षा संबंधी तकाजों को ताक पर रखा जा रहा है, वह हादसों को न्योता देने जैसा है। अगर समय रहते हेलिकाप्टरों के संचालन में सुरक्षा के ठोस मानकों और उन पर अमल को लेकर सख्ती नहीं बरती गई, तो यह न सिर्फ लोगों के लिए जान का सौदा बनेगा, बल्कि इस पूरी व्यवस्था की मंशा पर सवाल उठेंगे।

यूपी में भाजपा की पदयात्रा का मेगा प्लान 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' के राजनीतिक निहितार्थ

(कमलेश पांडे)

आखिर विपक्ष के नैरेटिव का जवाब देने की भाजपा की रणनीति कितनी जबर्दस्त है? इस पदयात्रा का पहला राजनीतिक निहितार्थ विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों का जवाब देना है, क्योंकि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठा रहा है। उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में भाजपा नीत राजग (एनडीए) और कांग्रेस नीत इंडी (इंडी) गठबंधन का मजबूत साथी समाजवादी पार्टी के बीच काँटे की टक्कर के आसार हैं! भाजपा भले ही दलितों और ओबीसी को पटाने के चक्कर में सवर्णों की सरजमीनी नाराजगी मोल ले चुकी है, जबकि समाजवादी नेता व उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक (पीडीए) वोटरों को अपनी ओर खींचकर और कांग्रेस को साथ लेकर लोकसभा चुनाव 2024 और विधान परिषद चुनाव 2026 में भाजपा को अपनी मजबूत राजनीतिक ताकत का एहसास करवा चुके हैं। ऐसे में यूपी के सवर्ण वोटर यदि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाथ के सुशासन और विकास को ध्यान में रखते हुए भाजपा से जुड़े रहते हैं तो भाजपा मुकाबले में रहेगी, अन्यथा दलित और ओबीसी कानूनों को मजबूत करने और पूंजीवादी राज को प्रश्रय देने की कीमत उसे अपनी राज्य और केंद्र की सत्ता (2029) गंवा कर चुकानी पड़ेगी, जबकि भाजपा किसी भी कीमत पर यूपी की सत्ता गंवाना नहीं चाहती है। यही वजह है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने विपक्ष के राजनीतिक नैरेटिव को चुनौती देने के लिए नई रणनीति बनाई है?



भाजपा की यह पदयात्रा महज जनसंपर्क अभियान नहीं है बल्कि इसके पीछे उसकी संगठनात्मक शक्ति प्रदर्शन, विपक्ष की घेराबंदी और चुनावी मुद्दों की दिशा तय करने की व्यापक कोशिश भी है। यदि भाजपा अपने दिग्गज नेताओं के मतभेद को काबू में करने में सफल हो जाती है तो लखनऊ में उसकी तीसरी सरकार बनने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा, क्योंकि वह कैडर बेस पार्टी है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा के मेगा प्लान में बड़े बड़े नेताओं को लगाना इन्हीं राजनीतिक संदर्भों में समझना चाहिए। यह अभियान ऐसे समय हो रहा है, जब प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां धीरे-धीरे तेज हो रही हैं और भाजपा तथा विपक्ष के बीच चुनावी प्रक्रिया, संवैधानिक संस्थाओं और राजनीतिक विरोध के तौर-तरीकों को लेकर गंभीर बहस चल रही है।

सबसे पहले जानिए कि आखिर पदयात्रा का कार्यक्रम क्या है? प्राप्त जानकारी के मुताबिक, भाजपा ने 3 से 5 नवंबर 2026 तक उत्तर प्रदेश के सभी छह संगठनात्मक क्षेत्रों में पदयात्राएं आयोजित करने की योजना बनाई है। इसका घोषित उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना और विपक्ष के आरोपों का जवाब देना है। इस सिलसिले में निर्धारित प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं- तारीख, स्थान और प्रमुख नेतृत्व- 3 नवंबर को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पदयात्रा की और वोटरों के मूड को बदलने का सकारात्मक प्रयास किया। वहीं, 3 नवंबर को ही बरेली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने पदयात्रा की और वोटरों के मूड को समझने की सफल कोशिश की। वहीं, 4 नवंबर को गोरखपुर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पदयात्रा करेंगे। वहीं, 4 नवंबर को ही प्रयागराज में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पदयात्रा करेंगे। वहीं, 4 नवंबर को ही कानपुर में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पदयात्रा करेंगे। वहीं, 5 नवंबर को गाजियाबाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पदयात्रा होगी। तीन नवंबर को लखनऊ में लोकभवन से परिवर्तन चौक तक पदयात्रा का आयोजन किया गया है। पार्टी ने इसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और विभिन्न सामाजिक वर्गों की भागीदारी का लक्ष्य रखा और उसे पूरा किया।

दूसरा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि आखिर विपक्ष के नैरेटिव का जवाब देने की भाजपा की रणनीति कितनी जबर्दस्त है? इस पदयात्रा का पहला राजनीतिक निहितार्थ विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों का जवाब देना है, क्योंकि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठा रहा है। जबकि भाजपा का कहना है कि चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाकर जनता के बीच भ्रम पैदा किया जा रहा है। इसलिए भाजपा ने लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ जैसा दूरगामी असर वाला राजनीतिक संदेश चुना है। इसका अर्थ है कि पार्टी बहस को विपक्ष के आरोपों से हटाकर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन, राजनीतिक आचरण और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति उसके रवैये पर केंद्रित करना चाहती है। हालांकि, विपक्ष के आरोपों का जवाब केवल राजनीतिक सभाओं से नहीं, बल्कि पारदर्शी तथ्यों और संस्थागत जवाबदेही से भी देना आवश्यक होगा। तीसरा महत्वपूर्ण सवाल है कि आखिर एसआईआर और मतदाता सूची की बहस का राजनीतिक महत्व क्या है? इस अभियान के पीछे मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण भी एक महत्वपूर्ण संदर्भ है। इस मुद्दे पर दो अलग-अलग राजनीतिक दृष्टिकोण सामने हैं- एक, भाजपा का पक्ष- मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन रखना स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए आवश्यक है। पार्टी इस प्रक्रिया के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना चाहती है। दो, विपक्ष का पक्ष- मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में पात्र मतदाताओं के नाम छूटने, पारदर्शिता और प्रशासनिक निष्पक्षता को लेकर आशंकाएं उठाई जा रही हैं। यहां महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या मतदाता सूची का पुनरीक्षण पूरी पारदर्शिता, उचित सूचना और आपत्ति दर्ज कराने के प्रभावी अवसर के साथ हो रहा है? लोकतंत्र में मतदाता सूची की शुद्धता जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदान का अधिकार सुरक्षित रखना भी है। इसलिए पदयात्रा के राजनीतिक संदेश के साथ-साथ एसआईआर पर तथ्यात्मक संवाद भी इस अभियान की कसौटी रहेगा।

चौथा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि योगी आदित्यनाथ की राजनीतिक भूमिका और नेतृत्व का प्रदर्शन कैसा रहेगा? इस पदयात्रा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रिय भागीदारी के कई राजनीतिक पहलू हैं। एक, सरकार और संगठन के बीच तालमेल का प्रदर्शन- मुख्यमंत्री के साथ केंद्रीय मंत्रियों, भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व और प्रदेश संगठन के प्रमुख नेताओं की भागीदारी से अभियान को राष्ट्रीय और प्रादेशिक दोनों स्तरों पर महत्व मिलता है। दो, नेतृत्व की सार्वजनिक सक्रियता- पदयात्रा के माध्यम से मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता सीधे कार्यकर्ताओं तथा नागरिकों के बीच उपस्थित होते हैं। इससे चुनाव से पहले संगठनात्मक संपर्क को सक्रिय रखने का अवसर मिलता है। तीन, 2027 के चुनाव की पृष्ठभूमि। योगी आदित्यनाथ की विभिन्न क्षेत्रों में भागीदारी को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले नेतृत्व की राजनीतिक सक्रियता के संदर्भ में देखा जा सकता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और केंद्रीय मंत्रियों की भागीदारी इस कार्यक्रम को केवल स्थानीय संगठनात्मक गतिविधि तक सीमित नहीं रहने देती। पांचवां सवाल यह है कि यूपी के छह संगठनात्मक क्षेत्रों में पदयात्रा का क्या संदेश है? इस अभियान का एक महत्वपूर्ण पहलू इसका भौगोलिक विस्तार है। भाजपा ने केवल लखनऊ में एक बड़ी रैली आयोजित करने के बजाय छह संगठनात्मक क्षेत्रों में अलग-अलग पदयात्राओं की योजना बनाई है। इसके तीन संभावित संगठनात्मक उद्देश्य हैं- एक, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना- स्थानीय इकाइयों, जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों को चुनावी तैयारी के लिए सक्रिय रखना। दो, स्थानीय संपर्क बढ़ाना- व्यापारियों, शिक्षकों, अधिवक्ताओं, चिकित्सकों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों तक पहुंच बनाना। तीन, एक समान राजनीतिक संदेश- प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में एक ही नारे और राजनीतिक मुद्दे को सामने रखना। भाजपा की तैयारियों में सामाजिक और व्यावसायिक वर्गों की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है।

छठा प्रासंगिक सवाल यह है कि विपक्ष के सामने क्या राजनीतिक चुनौतियां हैं? इस अभियान से विपक्ष के सामने भी कुछ महत्वपूर्ण राजनीतिक सवाल खड़े होते हैं। एक, क्या विपक्ष मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया पर अपने आरोपों को ठोस प्रमाणों के साथ जनता के सामने रख पाएगा? दो, क्या समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इन मुद्दों पर एक साझा राजनीतिक दृष्टिकोण विकसित कर पाएंगे? तीन, क्या विपक्ष केवल विरोध की राजनीति तक सीमित रहेगा या रोजगार, महंगाई, किसानों, शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों को भी समान महत्व देगा? चार, क्या विपक्ष भाजपा के इस अभियान के जवाब में जनता के बीच अपनी बात रखने के लिए प्रभावी जनसंपर्क कर पाएगा? यहां एक महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक तथ्य भी समझना चाहिए। सरकार की नीतियों की आलोचना करना और चुनावी संस्थाओं से सवाल पूछना अपने आप में अराजकता नहीं है। उसी तरह शांतिपूर्ण राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का वैध हिस्सा है। किसी भी पक्ष के आरोपों और दावों का मूल्यांकन प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए।

सातवां सवाल है कि आखिर भाजपा के लिए असली परीक्षा क्या होगी? पदयात्रा में कितनी भीड़ जुटती है, कितने बड़े नेता शामिल होते हैं और कितने स्थानों पर कार्यक्रम होते हैं, ये सभी संगठनात्मक गतिविधि के मापदंड हो सकते हैं। लेकिन इनसे अपने आप जनता के राजनीतिक समर्थन या चुनावी परिणाम का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। भाजपा के लिए वास्तविक सवाल होंगे।

उमर अब्दुल्ला की सरकार पर खतरा, जम्मू कश्मीर में शांति बनाए रखना जरूरी

(संतोष कुमार पाठक)

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला हो या वर्तमान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, दोनों ही राज्य को फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा देने के साथ-साथ अनुच्छेद 370 को हटाए जाने का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाते रहे हैं। ऐसे में आगा रूहुल्लाह मेहंदी के आरोपों ने पार्टी की बुनियाद को ही हिला दिया है।

देश के कई अन्य राज्यों की तरह अब जम्मू कश्मीर में भी राजनीतिक उठापटक शुरू हो गई है। राज्य की उमर अब्दुल्ला की सरकार गहरे संकट में फंस गई है क्योंकि उनकी अपनी ही पार्टी के सांसद, विधायक और कई अन्य दिग्गज नेता उनके खिलाफ हो गए हैं। बडगाम से तीन बार विधायक रह चुके और 2024 के लोकसभा चुनाव में श्रीनगर से सांसद चुने गए नेशनल कॉन्फ्रेंस के आगा रूहुल्लाह मेहंदी ने सांसदी छोड़ने का ऐलान करते हुए पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उमर अब्दुल्ला को लेकर उनकी अपनी ही पार्टी में नाराजगी इस हद तक बढ़ चुकी है कि रूहुल्लाह ने मंगलवार को बडगाम में अपने पिता की पुण्यतिथि पर आयोजित की गई जनसभा में ही पार्टी और सांसदी, दोनों छोड़ने का ऐलान कर दिया। अब्दुल्ला परिवार की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू कश्मीर की पार्टी है और खासतौर से इसका प्रभाव कश्मीर घाटी में ही ज्यादा माना जाता है। कश्मीरियों के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा वापस हासिल करना एक भावनात्मक मुद्दा है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला हो या वर्तमान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, दोनों ही राज्य को फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा देने के साथ-साथ अनुच्छेद 370 को हटाए जाने का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाते रहे हैं। ऐसे में आगा रूहुल्लाह मेहंदी के आरोपों ने पार्टी की बुनियाद को ही हिला दिया है। पार्टी छोड़ने का ऐलान करते समय उन्होंने आरोप लगाया कि उमर अब्दुल्ला बीजेपी के दबाव में 370 पर अपना रुख बदल चुके हैं। वैसे पार्टी में बगावत की शुरुआत विधायकों का एक गुट पहले ही कर चुका है। पार्टी के 25 विधायकों ने रविवार को ही फारूक और उमर अब्दुल्ला को 14 दिनों का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी थी कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुई तो वे सरकार से समर्थन वापस ले सकते हैं।

आपको याद दिला दें कि, 5 अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद - 370 को हटाने के साथ ही इसे दो हिस्सों में बांट दिया गया था।जम्मू कश्मीर से लद्दाख को अलग कर, दोनों ही इलाके को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया था। इसके लगभग 5 वर्ष बाद सितंबर-अक्टूबर 2024 में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव करवाए गए। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कांग्रेस के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा। गठबंधन में हुए समझौते के मुताबिक, एनसी के हिस्से में 51 और कांग्रेस के हिस्से में 32 सीटें आई और 5 सीटों पर दोनों दलों के उम्मीदवारों के बीच दोस्ताना मुकाबला हुआ।

विधानसभा चुनाव में एनसी-कांग्रेस और अन्य पार्टियों के गठबंधन को जीत हासिल हुई। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में एनसी ने 42, बीजेपी ने 29 और कांग्रेस ने 6 सीटों पर जीत हासिल की। लेकिन मुख्यमंत्री की कमान संभालने के साथ ही उमर अब्दुल्ला के सामने कई मुश्किलें भी आने लगी। सबसे पहले झटका तो यही लगा कि कांग्रेस ने सरकार में शामिल होने से इनकार करते हुए बाहर से समर्थन देने का ऐलान कर दिया। इससे पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं को पूर्ण राज्य और अनुच्छेद 370 के जमाने की सरकार चलाने की आदत थी लेकिन इस सरकार में उन्हें कदम-कदम पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का सामना करना पड़ रहा था और दिल्ली की तरह जम्मू कश्मीर की पुलिस भी उनके अधीन नहीं थी। रही-सही कसर पार्टी नेताओं में उभरे असंतोष ने पूरी कर दी। नाराज़ विधायकों का अपने ही मुख्यमंत्री के खिलाफ 4 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल बनाकर मांगों की लंबी-चौड़ी फेहरिस्त रख देना अपने आप में एक बड़ा इशारा करता है कि हालात हाथ से निकल चुके हैं। नाराज विधायक उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी, सलाहकार पद से नासिर सोगामी के साथ ही ऐसे मंत्रियों को भी हटाने की मांग कर रहे हैं जो 2 साल से उमर अब्दुल्ला की सरकार में मंत्री है। वैसे तो इसे एक केन्द्र शासित प्रदेश की सत्तारूढ़ पार्टी के अंदर मचे घमासान की खबर कहकर टाला जा सकता है। लेकिन हमें यह कतई नहीं भूलना चाहिए कि भारत के सिर के इस ताज जम्मू कश्मीर पर नापाक पाक की बुरी नज़र हमेशा लगी रहती है। पाकिस्तान में लगातार खराब होते राजनीतिक हालात, बिगड़ती अर्थव्यवस्था, बेलगाम होती जा रही महंगाई और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू कश्मीर के हिस्से में लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शन के बीच पाकिस्तान लंबे समय से राज्य के हालात को खराब करने का मंसूबा बना रहा है।

ऐसे हालात में जम्मू कश्मीर में राजनीतिक स्थिरता बहुत जरूरी है और इसके लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को तुरंत कुछ बड़े कदम उठाने होंगे। पाकिस्तान इस हालात का फायदा उठाकर कोई बड़ी हरकत करने में कामयाब ना हो जाए, इससे बचने के लिए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को भी फौरन सेना, सुरक्षा बलों, पुलिस और इंटेलिजेंस के साथ मिलकर बड़ी रणनीति तैयार करनी पड़ेगी। यह समय बहुत महत्वपूर्ण है और इसलिए राज्य में राजनीतिक स्थिरता और शांति कायम रखने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अब्दुल्ला सरकार को बाहर से समर्थन दे रहे कांग्रेस के सर्वेसर्वा राहुल गांधी को भी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं। **(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं)**

विपक्षी हुंकार शक्ति-प्रदर्शन नहीं, जनकल्याण का कारण बने

यदि विपक्ष वास्तव में मतदाता अधिकारों को लेकर गंभीर है तो उसे प्रत्येक मतदान केंद्र पर अपने बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने, मतदाता सूची की जांच करने, वास्तविक विसंगतियों के प्रमाण जुटाने और प्रभावित नागरिकों को न्याय दिलाने की व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। लोकतंत्र की रक्षा नारों से कम और धरातल पर किए गए कार्यों से अधिक होती है। इस रैली का एक दूसरा पहलू भी है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की राजनीतिक एकजुटता का आधार क्या है?

(ललित गर्ग)

लोकतंत्र में विपक्ष केवल आलोचक नहीं होता, वह वैकल्पिक नीतियों का निर्माता भी होता है। संसद में विधेयकों पर गंभीर चर्चा, सरकार की नीतियों का तथ्यात्मक परीक्षण, आर्थिक और सामाजिक समस्याओं पर वैकल्पिक सुझाव तथा जनता की आवाज को संस्थागत मंचों तक पहुंचाना उसकी बुनियादी जिम्मेदारी है। लोकतंत्र केवल सत्ता परिवर्तन की व्यवस्था नहीं, बल्कि जनआकांक्षाओं, नागरिक अधिकारों, जवाबदेही और सार्थक राजनीतिक संवाद की जीवंत प्रणाली है। इसकी मजबूती केवल सत्तारूढ़ दल की कार्यक्षमता से नहीं, बल्कि विपक्ष की जिम्मेदारी, उसकी वैचारिक परिपक्वता और जनहित के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से भी निर्धारित होती है। लेकिन जब विपक्ष की राजनीति का केंद्र जनता के बुनियादी सवालों के बजाय सत्ता का विरोध, नेतृत्व पर व्यक्तिगत हमले और आरोपों की पुनरावृत्ति बन जाए, तब लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती को लेकर प्रश्न खड़े होना स्वाभाविक है। दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस के नेतृत्व में लगभग बीस विपक्षी दलों का जुटना और वोट चोरी के मुद्दे पर हुंकार भरना इसी संदर्भ में राजनीतिक समीक्षा को अपेक्षा करता है। सवाल यह नहीं कि विपक्ष को रैली करने का अधिकार है या नहीं, बल्कि यह है कि ऐसी रैलियों से लोकतंत्र और आम जनता को आखिर क्या हासिल हो रहा है? रामलीला मैदान ऐतिहासिक रूप से जनआंदोलनों, राजनीतिक चेतना और लोकतांत्रिक प्रतिरोध का साक्षी रहा है। यहां उमड़ने वाली भीड़ को केवल राजनीतिक शक्ति



प्रदर्शन के रूप में नहीं देखा जा सकता, बल्कि उससे जुड़े संदेश और उद्देश्य का मूल्यांकन भी आवश्यक है। कांग्रेस ने सहयोगी दलों को एक मंच पर लाकर अपनी राजनीतिक एकजुटता प्रदर्शित करने का प्रयास किया। दस लाख लोगों के जुटने का दावा किया गया था, लेकिन उपलब्ध विवरणों के अनुसार वास्तविक उपस्थिति इस दावे से काफी कम रही। फिर भी इस आयोजन का महत्त्व केवल भीड़ के आकार से नहीं, बल्कि उसके राजनीतिक संदेश से तय होना चाहिए। दुर्भाग्य यह है कि इस रैली में भी विपक्ष की ओर से वही पुराने आरोप, वही राजनीतिक भाषण और वही सत्ता विरोधी तेवर अधिक दिखाई दिए, जिनकी पुनरावृत्ति लंबे समय से होती रही है।

वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर को लेकर विपक्ष ने गंभीर सवाल उठाए हैं। चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष का अधिकार ही नहीं, उसका दायित्व भी है। प्रत्येक वैध मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रहना चाहिए और किसी भी पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए आरोपों के साथ प्रमाण और तथ्यों की विश्वसनीयता भी आवश्यक है। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने का प्रश्न उठाया जा रहा है, उनमें मृतक, स्थायी रूप से अन्यत्र स्थानांतरित हो चुके और एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत मतदाता भी शामिल बताए गए हैं। निर्वाचन आयोग ने भी एसआईआर से जुड़े निर्णयों को तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से लिया गया बताया है। इस प्रक्रिया को लेकर न्यायालय में विचार और निर्देश भी सामने आए हैं। इसलिए इस पूरे विषय पर अंतिम निष्कर्ष तथ्यों, प्रमाणों और न्यायिक परीक्षण के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए।

विपक्ष का दायित्व है कि वह चुनाव आयोग से पारदर्शिता की मांग करे, मतदाता सूची की त्रुटियों को उजागर करे और पात्र मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस प्रयास करे। लेकिन केवल वोट चोरी का नारा बुलंद करने से लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास मजबूत नहीं होगा। यदि विपक्ष वास्तव में मतदाता अधिकारों को लेकर गंभीर है तो उसे प्रत्येक मतदान केंद्र पर अपने बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने, मतदाता सूची की जांच करने, वास्तविक विसंगतियों के प्रमाण जुटाने और प्रभावित नागरिकों को न्याय दिलाने की व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। लोकतंत्र की रक्षा नारों से कम और धरातल पर किए गए कार्यों से अधिक होती है। इस रैली का एक दूसरा पहलू भी है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की राजनीतिक एकजुटता का आधार क्या है? क्या यह एकजुटता किसी साझा आर्थिक दृष्टि, रोजगार नीति, कृषि सुधार, शिक्षा की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवाओं, महंगाई, भ्रष्टाचार, महिला सुरक्षा, युवाओं के भविष्य और सामाजिक न्याय के व्यापक कार्यक्रम पर आधारित है? अथवा इसका मुख्य उद्देश्य नरेंद्र मोदी सरकार का विरोध करना और सत्ता के विरुद्ध राजनीतिक वातावरण तैयार करना है? यदि किसी गठबंधन की एकता का सबसे बड़ा आधार किसी एक नेता या सरकार का विरोध हो, तो उसकी वैचारिक स्थिरता और भविष्य की दिशा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। सत्ता विरोध अपने आप में कोई राजनीतिक दर्शन नहीं हो सकता।

लोकतंत्र में विपक्ष केवल आलोचक नहीं होता, वह वैकल्पिक नीतियों का निर्माता भी होता है। संसद में विधेयकों पर गंभीर चर्चा, सरकार की नीतियों का तथ्यात्मक परीक्षण, आर्थिक और सामाजिक समस्याओं पर वैकल्पिक सुझाव तथा जनता की आवाज को संस्थागत मंचों तक पहुंचाना उसकी बुनियादी जिम्मेदारी है। लेकिन जब राजनीतिक विमर्श आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत कटाक्ष और विरोध प्रदर्शनों तक सीमित होने लगता है, तब जनता के वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। विपक्ष को यह समझना होगा कि प्रधानमंत्री की आलोचना करना और प्रधानमंत्री के विकल्प के रूप में अपनी योग्यता प्रमाणित करना दो अलग-अलग बातें हैं। पहली बात राजनीतिक विरोध है, जबकि दूसरी लोकतांत्रिक नेतृत्व की कसौटी है। आज भारत अनेक बुनियादी चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण रोजगार, किसानों की आय और कृषि की उत्पादकता, छोटे व्यापारियों की आर्थिक सुरक्षा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, पर्यावरण संरक्षण, शहरी अव्यवस्था, बढ़ती आर्थिक विषमता और महिलाओं की सुरक्षा जैसे प्रश्न किसी एक दल के नहीं, पूरे राष्ट्र के प्रश्न हैं। क्या रामलीला मैदान की हुंकार इन विषयों पर कोई ठोस वैकल्पिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सकी? क्या विपक्ष ने यह बताया कि वह इन समस्याओं के समाधान के लिए कौन-सी नीतियां अपनाएगा? **(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं)**

संक्षिप्त समाचार



कलेक्टरे ने खोखरा एवं कुटरा उपार्जन केंद्रों का किया निरीक्षण,किसानों की सुविधा और व्यवस्थित खरीदी के लिए व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जांजगीर-चांपा। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के पहले दिन कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने खोखरा एवं कुटरा धान उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर खरीदी कार्य एवं किसानों की सुविधा के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने समिति प्रबंधको से एग्रीस्टैक पंजीयन, धान विक्रय के लिए पंजीकृत किसानों की संख्या तथा टोकन वितरण की स्थिति की जानकारी ली। कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रों में जल निकासी की समुचित व्यवस्था रखने, धान की व्यवस्थित स्टैकिंग करने तथा पेयजल, छाया, शेड सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने धान का सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करने तथा केंद्रों में निगरानी एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों को सुचारू रूप से संचालित रखने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं समिति प्रबंधकों को निर्देशित किया कि खरीदी प्रक्रिया के दौरान किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराएं। इस अवसर पर उप पंजीयक सहकारिता श्रीमती मंजू पांडेय, जिला खाद्य अधिकारी संदीप पांडेय ,जिला विपणन अधिकारी मनोज यादव सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।



जिले में धान खरीदी महा अभियान का शुभारंभ, 123 उपार्जन केन्द्रों में होगी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी

दुर्ग। राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार प्रदेश सहित जिले में खरीफविपणन वर्ष 2026-27 अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवम्बर से प्रारंभ हो गई है। आज सेवा सहकारी समिति मर्यादित अण्डा में राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर के मुख्य आतिथ्य में धान खरीदी का शुभारंभ हुआ।

इस अवसर पर संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया, डीएमओ राहुल कुमार सहित संबंधित विभाग के अधिकारी एवं क्षेत्र के किसान उपस्थित थे। मुख्य अतिथि चन्द्राकर, कमिश्नर राठौर और कलेक्टर सिंह ने इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, नमी मापी यंत्र और भगवान बलराम के छायाचित्र पर माल्यार्पण और पूजा अर्चना कर धान खरीदी का शुभारंभ किया। इस दौरान धान बेचने आये किसानों का पुष्पमाला पहनाकर और गुलाल लगाकर स्वागत किया गया। धान खरीदी का शुभारंभ ग्राम अण्डा के कृषक राजेश चन्द्राकर द्वारा लाये गये धान की खरीदी से हुई। मौके पर बोरे सहित तौल किया गया।



विधायक ने विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचकर दिया डूबते सूर्य को अर्घ्य, व्रतियों और श्रद्धालुओं से मिलकर लिया आशीर्वाद

भिलाई। लोक आस्था, सूर्य उपासना और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का महापर्व छठ पूजा के अवसर पर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव शहर के विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचे। उन्होंने सेक्टर-2, छावनी, खुर्सीपार, रामनगर सहित अलग-अलग क्षेत्रों के तालाबों में पहुंचकर छठ महापर्व में शामिल हुए श्रद्धालुओं के बीच समय बिताया और पूजा-अर्चना में सहभागिता की। इस दौरान विधायक देवेंद्र यादव ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर प्रदेश और शहरवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

उन्होंने छठ व्रत कर रही माताओं-बहनों से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया और सभी को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं। विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि छठ महापर्व हमारी आस्था, विश्वास, त्याग और समर्पण का प्रतीक है। यह ऐसा पावन पर्व है, जो हमें प्रकृति और जीवन के आधार सूर्यदेव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना सिखाता है। छठी मैया की आराधना में व्रतियों की कठिन तपस्या, नियम-निष्ठा और अटूट विश्वास हर किसी को प्रेरित करता है।



कलेक्टर ने डोड़की धान उपार्जन केन्द्र पहुंचकर धान खरीदी कार्य का किया शुभारंभ

सक्ती। राज्य शासन की मंशा के अनुरूप जिले में 15 नवम्बर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का सबसे बड़ा अभियान शुरू हो गया है। किसान हित में राज्य सरकार का लगभग ढाई महीने तक चलने वाला यह सबसे बड़ा अभियान होगा। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी जयश्री जैन और जिला सहकारी उपाध्यक्ष रजनी साहू ने आज डोडकी धान उपार्जन केन्द्र पहुँचकर धान खरीदी के कार्यों का निरीक्षण किया तथा धान उपार्जन केन्द्र डोडकी में धान विक्रय करने पहुंचे किसान किसान राम कुमार और किसान संतोष कुमार को सम्मानित कर जिले में धान खरीदी कार्य का शुभारंभ किया। धान खरीदी के शुभारंभ अवसर पर आज विकासखण्ड सक्ती अंतर्गत धान उपार्जन केंद्र डोडकी में डोडकी निवासी किसान राम कुमार पिता एसे राम ने आज 10.80 क्विंटल धान विक्रय के लिए पहुंचे। इसी प्रकार डोडकी निवासी किसान संतोष कुमार पिता गोसाईं राम ने आज 6 क्विंटल धान विक्रय करने के लिए पहुंचे। जिस पर कलेक्टर श्रीमती जैन और जिला सहकारी उपाध्यक्ष श्रीमती रजनी साहू की उपस्थिति में किसानो से सुव्यवस्थित रूप से धान खरीदी की गई।

तेंदुए की मौत के मामले में वन विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल, ग्रामीणों का फूमटा गुस्सा, लगाए 'रेंजर हटाओ' के नारे

- निर्दोषों को जेल भेजने का आरोप, पांच लोगों ने किया आत्मसमर्पण; कथित मारपीट से भड़के ग्रामीण
- रेंजर माखनलाल बंजारे और डिप्टी रेंजर पर कार्रवाई की मांग, उच्चस्तरीय जांच की उठी आवाज



बिलाईगढ। वन परिक्षेत्र बिलाईगढ़ अंतर्गत कक्ष क्रमांक 446 में 12 वर्षीय नर तेंदुए की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का मामला अब गंभीर विवाद का रूप लेता जा रहा है। वन्यजीव की मौत की जांच से शुरू हुआ मामला अब वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों पर जांच में लापरवाही, निर्दोष लोगों को आरोपी बनाकर जेल भेजने तथा वास्तविक घटनाक्रम को दबाने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 7 नवंबर 2026 को वन विभाग की गश्त के दौरान ग्राम गोंदली बांध के ऊपर झाड़ियों से घिरे एक छोटे से वन क्षेत्र में लगभग 12 वर्षीय नर तेंदुआ मृत अवस्था में पाया गया था। तेंदुए का शव मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों के बीच यह सवाल उठने लगा कि इतने छोटे वन क्षेत्र में तेंदुए की मौत कैसे हुई। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि तेंदुए का शिकार कहीं अन्य स्थान पर किया गया होगा और बाद में शव को साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से बांध के ऊपर झाड़ियों में फेंक दिया गया होगा। घटना की जानकारी मिलने पर वन विभाग की जांच टीम मौके पर पहुंची। पशु चिकित्सकों की टीम ने तेंदुए का पोस्टमार्टम किया तथा नियमानुसार शव का अंतिम संस्कार किया गया। इसके बाद जांच में डॉग स्क्वायड की टीम को भी लगाया गया। जांच के दौरान घटनास्थल से दूर एक खेत में सब्बल मिलने की बात सामने आई। इसी आधार पर वन परिक्षेत्र अधिकारी माखनलाल बंजारे ने ग्राम गोंदली निवासी होरीलाल यादव एवं उनके भतीजे को पूछताछ के लिए बिलाईगढ़ वन कार्यालय बुलाया। पूछताछ के बाद दोनों को मुख्य आरोपी बनाकर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

गांव में बैठक के बाद पांच लोग पहुंचे आत्मसमर्पण करने

दो ग्रामीणों को जेल भेजे जाने की जानकारी मिलने के बाद ग्राम गोंदली में ग्रामीणों की बैठक आयोजित की गई। ग्रामीणों के अनुसार, बैठक में घटना को अंजाम देने वाले बताए जा रहे पांच लोगों के सामने आने की बात कही गई।

ग्रामीणों ने उनसे कहा कि यदि घटना में उनकी संलिप्तता है तो वे वन विभाग के समक्ष आत्मसमर्पण करें और निर्दोष लोगों को न्याय दिलाने में सहयोग करें।इसी क्रम में दिनांक 12 नवंबर 2026 को दोपहर करीब एक बजे पांचों व्यक्ति पूरे गांव के लोगों के साथ बिलाईगढ़ वन कार्यालय पहुंचे और आत्मसमर्पण करने की इच्छा जताई। ग्रामीणों का कहना था कि घटना में जिनकी वास्तविक भूमिका है, उनके खिलाफकार्रवाई होनी चाहिए तथा पहले से जेल में बंद होरीलाल यादव और उनके भतीजे के मामले की निष्पक्ष समीक्षा कर उन्हें न्याय मिलना चाहिए।ग्रामीणों के आरोप के मुताबिक, जब वे वन कार्यालय पहुंचे तो रेंजर माखनलाल बंजारे भोजन अवकाश के लिए चले गए। इसी दौरान पत्रकारों की टीम भी कार्यालय पहुंच गई। ग्रामीणों का कहना है कि आत्मसमर्पण करने पहुंचे लोगों के मामले में तत्काल कार्रवाई नहीं होने से वहां मौजूद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।

शासकीय हाई स्कूल सलिहाघाट में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बाल दिवस



विद्यार्थियों के लिए मेहंदी, रंगोली एवं हस्तकला प्रतियोगिताओं का आयोजन

भटगांव। शासकीय हाई स्कूल सलिहाघाट में 14 नवंबर को बाल दिवस का कार्यक्रम हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती, छत्तीसगढ़ महतारी एवं पंडित जवाहरलाल नेहरू के छायाचित्र पर पूजा-अर्चना एवं माल्यार्पण के साथ हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत सलिहाघाट की सरपंच श्रीमती ऊषा पटेल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री राकेश श्रीवास एवं लीलाधर मांझी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अतिथियों ने विद्यार्थियों को बाल दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा जीवन में कठिन परिश्रम, लगन एवं अनुशासन के साथ अपने लक्ष्य की प्राप्ति करने के लिए प्रेरित किया। संस्था की प्राचार्य श्रीमती रेखा देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थियों को विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ समाज के प्रति अपने दायित्वों का भी निर्वहन करना चाहिए। विद्यालय एक ऐसा स्थान है जहाँ शिक्षा के साथ संस्कार भी प्रदान किए जाते हैं। विद्यालय के प्रधान पाठक कृष्ण लाल चंद्रा ने अपने संबोधन में चाचा नेहरू के बच्चों के प्रति प्रेम एवं स्नेह का उल्लेख करते हुए बताया कि वे बच्चों को अत्यंत प्रिय थे और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए सदैव चिंतित रहते थे। बाल दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए मेहंदी, रंगोली एवं हस्तकला प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक अपनी प्रतिभा एवं रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन बुद्धेश्वर कुमार कश्यप ने किया।

वोट बचाओ देश बचाओ जन चौपाल भटगांव में संपन्न



भटगांव। नगर भटगांव में जन चौपाल के माध्यम से ब्लॉक, स्तरीय कांग्रेस का कार्यक्रम शीतला चौक भटगांव में वोट बचाओ देश बचाओ का आयोजन रखा गया जिसमें ब्लॉक के सभी कांग्रेसी शामिल हुए यह कार्यक्रम पूरे देश में चल रहा है इसी तारतम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं प्रदेश संगठन के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ताराचंद देवांगन के मार्गदर्शन में भटगांव मंडल के अध्यक्ष रामानंद हिरवानी के नेतृत्व में रखा गया जिसमें लोकतंत्र की रक्षा, मताधिकार की सुरक्षा एवं निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था को मजबूत बनाने का संकल्प लिया गयाद्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंडल कांग्रेस के अध्यक्ष रामानंद हिरवानी ने कहा कि आज देश में ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि हमें अपने वोट को बचाना पड़ रहा है।

इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है हमारे देश में आज कुछ भी सुरक्षित नहीं है हमारे देश के युवा लड़के पढ़ लिखकर नौकरी की तलाश में लगे हैं जिसे दिल्ली में मारपीट किया जा रहा है जेल में डाला जा रहा है यह है हमारे देश की स्थिति अब उसे कौन बचाएगा या हमें कौन बचाएगा बस हमारे पास अपना वोट है जो देश बदल सकता है।

आज बेमेतरा में होगा प्रदेश स्तरीय भव्य पत्रकार सम्मान समारोह



बेमेतरा। छत्तीसगढ़ महासंघ जिला इकाई बेमेतरा के तत्वाधान में कल 16 नवंबर 2026, सोमवार को दीपावली मिलन समारोह एवं प्रदेश स्तरीय पत्रकार सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम टाउन हॉल, दुर्ग रोड बेमेतरा में दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित होगा। सांसद विजय बघेल होंगे मुख्य अतिथि-समारोह में दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद माननीय विजय बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, साजा विधायक ईश्वर साहू सहित प्रदेश के अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। प्रदेशभर की प्रतिभाओं का होगा सम्मान-आयोजकों ने बताया कि समारोह का मुख्य उद्देश्य पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पत्रकारों को सम्मानित करना तथा पत्रकार जगत में आपसी एकता, सौहार्द एवं भाईचारे की भावना को मजबूत करना है।

इस अवसर पर प्रदेशभर के पत्रकारों, संपादकों, साहित्यकारों, कवियों, कलाकारों एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।प्रदेश पदाधिकारी एवं गणमान्य अतिथियों की रहेगी उपस्थिति- कार्यक्रम में प्रहलाद रजक, अजय साहू, जितेन्द्र साहू, कल्पना योगेश तिवारी, विजय सिन्हा, हेमा जय दिवाकर, राजेन्द्र शर्मा, संध्या परघनिया, खोरबहरा राम साहू, श्रीमती माया हीरा बारले सहित अनेक अतिथि शामिल होंगे।

दक्षिण कोसल मुद्रा उत्सव के सदस्य अभिषेक बंसल को आईएएस कार्तिके गोयल ने किया पुरस्कृत

सक्ती। दक्षिण कौशल मुद्रा उत्सव का तीन दिवसीय भव्य आयोजन 13 से 15 नवंबर तक राजधानी रायपुर में आयोजित किया गया, आयोजन मे राष्ट्रीय स्तर की प्राचीन वस्तुओं की प्रदर्शन और दुर्लभ चीजों की प्रदर्शनी देखने का मौका मिला और लोगो ने खूब सराहा ,दक्षिण कोसल मुद्रा उत्सव के सदस्य अभिषेक बंसल को आईएएस कार्तिके गोयल ने किया पुरस्कृत किया आईएएस गोयल ने बताया की हमे अपने देश और संस्कृति के बारे में जानकारी होनी चाहिए ताकि देश में समाज में जागुरुकता की भावना जागृत हो सके और अपने संस्कृति की विरासत धरोहर को बचाया जा सके जिले से अभिषेक बंसल ने वहाँ ब्रिटिश शासन भारत के पुराने नोट पुर्तगाल गोवा के नोट हैदराबाद निज़ाम के नोट हुंडी तिब्बत के बड़े नोट की प्रदर्शनी लगाया लगातार दूसरे वर्ष आयोजित हुई।

बाल दिवस पर भटगांव के समस्त शासकीय प्राथमिक शालाओं के बच्चों को निशुल्क स्कूल बैग वितरित

- विवेकानंद पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर रुक्मणी आदित्य की अनूठी पहल; नए बैग पाकर खिले नन्हे बच्चों के चेहरे



भटगांव। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती एवं बाल दिवस के पावन अवसर पर नगर पंचायत भटगांव में एक सराहनीय सामाजिक व शैक्षणिक पहल देखने को मिली। नगर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान विवेकानंद पब्लिक स्कूल, भटगांव की डायरेक्टर श्रीमती रुक्मणी आदित्य द्वारा भटगांव के समस्त शासकीय प्राथमिक शालाओं में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क स्कूल बैग का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शासकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों का उत्साहवर्धन करना और उनकी शिक्षा में सहयोग प्रदान करना था। बाल दिवस के इस विशेष दिन पर जब बच्चों को नए स्कूल बैग मिले, तो उनके चेहरों पर खुशी और उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम के दौरान रुक्मणी आदित्य ने बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और प्रत्येक बच्चे को अच्छी शिक्षा व आवश्यक संसाधन मिलना उनका अधिकार है।

शिक्षा के प्रति समर्पण और सामाजिक सरोकार

कार्यक्रम के दौरान श्रीमती रुक्मणी आदित्य ने बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और प्रत्येक बच्चे को अच्छी शिक्षा व आवश्यक संसाधन मिलना उनका अधिकार है। एक छोटा सा सहयोग भी बच्चों के मन में पढ़ाई के प्रति नया उत्साह और आत्मविश्वास जगा सकता है। विद्यालयों के प्रधान पाठकों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं अभिभावकों ने डायरेक्टर श्रीमती रुक्मणी आदित्य की इस संवेदनशील पहल की प्रशंसा किये और इसे समाज के अन्य लोगों के लिए प्रेरणादायी बताया। इस अवसरपर पर संबंधित शासकीय प्राथमिक शालाओं के शिक्षकगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जिले में धान खरीदी महाभियान की हुई शुरआत

कलेक्टर शर्मा ने उपार्जन केंद्रों में तौल बाट का पूजा-अर्चना कर किया शुभारंभ

- अन्नदाताओं का गुलाल से अभिनंदन, श्रीफल और पौधे देकर किया गया सम्मानित



बलौदाबाजार। राज्य शासन के निर्देशानुसार समर्थन मूल्य पर धान खरीदी महाभियान की शुरुआत जिले मे रविवार 15 नवंबर से हो गया। जिले के सभी 181 उपार्जन केंद्रों मे जनप्रतिनिधि एवं नोडल अधिकारियों की उपस्थिति मे विधि विधान से पूजा -अर्चना कर धान खरीदी का शुभारम्भ किया गया। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने विकासखंड बलौदाबाजार अंतर्गत धान खरीदी केंद्र भरसेला, करमदा और अर्जुनी मे स्वयं पूजा -अर्चना कर धान खरीदी का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर परंपरानुसार तौल मशीन व बाट की पूजा-अर्चना एवं माल्यार्पण कर धान खरीदी कार्य का शुभारंभ धान बेचने पहुंचे किसानों का पुष्पमाला पहनाकर, गुलाल-तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया तथा उनका मुंह मीठा कराया गया। इसके साथ ही श्रीफल और पौधे देकर किसानों को सम्मानित भी किया गया। कलेक्टर शर्मा ने किसानों द्वारा लाये गए धान की नमी मॉइश्चर मशीन से जाँची तथा इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन से धान का वजन कराया। उन्होंने समिति प्रबंधकों से कहा कि शासन के निर्देशानुसार धान मे नमी 17 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। किसानों को इसकी जानकारी दें ताकि उपार्जन केंद्र लाने से पहले ही धान को ठीक से सूखा लें। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधाओं का ध्यान रखें,उन्हें धान बेचने मे कोई परेशानी न हो। कलेक्टर ने धान बेचने पहुंचे किसानों से टोकन कटाने, उपार्जन केन्द्र मे व्यवस्था तथा धान बेचने मे किसी प्रकार की कठिनाई आदि की जानकारी ली। उन्होंने किसानों को बताया कि इस बार शासन ने भरसेला उपार्जन केंद्र मे धान बेचने पहुंचे किसान किशोर कुमार ने बताया कि वह 42 क्विंटल धान बेचने लाए हैं। टोकन घर मे ही मोबाइल से कटाया।मोबाइल से बहुत आसानी से टोकन मिल गया।

पारदर्शी ढंग से खरीदी संपन्न कराने के निर्देश

कलेक्टर शर्मा ने उपार्जन केन्द्र करमदा मे धान खरीदी की बेहतर व्यवस्था की सराहना की और खरीदी प्रभारी को पारदर्शी ढंग से खरीदी संपन्न कराने के निर्देश दिये।उन्होंने किसानों को बताया कि जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है जो 24 घण्टे सक्रिय रहता है।

किसी प्रकार की समस्या या शिकायत हो तो किसान कंट्रोल रूम नंबर 9201899925 पर संपर्क करें।उन्होंने बताया कि राज्य सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत धान उत्पादक किसानों को प्रति एकड़ 13,839 रुपये की आदान सहायता राशि प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। अब प्रति एकड़ 21 क्विंटल से कम धान बेचने पर भी 13,839 रुपये बोनस मिलेगा। बताया गया कि जिले में पहले दिन 126 केंद्रों में 411 टोकन 1358 मैट्रिक टन का जारी हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

20 नवंबर को स्थानीय अवकाश घोषित करने संबंधी पत्र फर्जी

बिलासपुर। जिला कार्यालय बिलासपुर के नाम से 20 नवंबर 2026 को देवउठनी एकादशी एवं तुलसी विवाह के अवसर पर स्थानीय अवकाश घोषित करने संबंधी प्रसारित पत्र फर्जी है। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी श्री शिवकुमार बनर्जी ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकार का कोई आदेश जिला कार्यालय बिलासपुर द्वारा जारी नहीं किया गया है। श्री बनर्जी ने बताया कि उक्त फर्जी पत्र में पूर्व घोषित स्थानीय अवकाश के स्थान पर 20 नवंबर को अवकाश घोषित किए जाने का उल्लेख है। जिला प्रशासन ने इस पत्र का खंडन करते हुए इसकी जांच एवं कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। नागरिकों, शासकीय कार्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों से अपील की गई है कि इस फर्जी पत्र को आधिकारिक आदेश न मानें और इसके आधार पर भ्रमित न हों।

स्वनिधि महोत्सव में दिए जाएंगे चेक और नि:शुल्क यूपीआई पेमेंट बॉक्स, उत्कृष्ट कार्य करने वाले बैंक और नगरीय निकाय होंगे सम्मानित

बिलासपुर। पथ विक्रेताओं से सीधा संवाद, डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहन और उत्कृष्ट कार्य करने वाले हितग्राहियों, बैंकों तथा नगरीय निकायों का सम्मान करने 17 नवम्बर को बिलासपुर में स्वनिधि महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के अंतर्गत नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और सूडा (राज्य शहरी विकास अभिकरण) द्वारा लालबहादुर शास्त्री स्कूल मैदान में आयोजित महोत्सव में केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू मुख्य अतिथि होंगे। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। महोत्सव में पथ विक्रेताओं के ई-पंजीयन की शुरुआत के साथ वित्तीय साक्षरता, डिजिटल भुगतान और स्वरोजगार से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। स्वनिधि महोत्सव में स्ट्रीट वेंडर्स द्वारा फूड स्टॉल्स लगाए जाएंगे। विभाग द्वारा योजना पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू और उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव स्वनिधि चौपाल में पथ विक्रेताओं से संवाद करने के साथ ही उन्हें चेक और नि:शुल्क यूपीआई पेमेंट बॉक्स वितरित करेंगे। लाभार्थियों के प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित भी किया जाएगा।

बैंक शाखाओं और हितग्राहियों का सम्मान

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने बताया कि स्वनिधि महोत्सव में योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बैंकों एवं उनकी शाखाओं को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया जाएगा। संभाग के नौ लाभार्थियों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। उत्कृष्ट कार्य करने वाले नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में पथ विक्रेताओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित और डिजिटल लेन-देन के प्रति जागरूक किया जाएगा। स्ट्रीट वेंडर्स के ई-पंजीयन का शुभारंभ भी इस दौरान किया जाएगा। महोत्सव में भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारी स्ट्रीट वेंडर्स को वित्तीय समावेशन एवं वित्तीय साक्षरता की जानकारी देंगे। डिजिटल पेमेंट एग्रीगेटर्स द्वारा डिजिटल भुगतान अभियान के संबंध में जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी। स्वनिधि महोत्सव में विधायकगण सर्वश्री अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, धर्मजीत सिंह, सुशांत शुक्ला, दिलीप लहरिया और अटल श्रीवास्तव, बिलासपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत बिलासपुर के अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) के अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सवन्नी, छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष श्री राजा पाण्डेय, छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बिलासपुर के अध्यक्ष श्री रजनीश सिंह तथा बिलासपुर नगर निगम के सभापति श्री विनोद सोनी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

खड़े ट्रेलर से टकराई रॉयल यात्री बस: 2 यात्रियों की मौत, 6 घायल, गंभीर हालत में एक रायपुर रेफर

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में रविवार तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। कटघोरा थाना क्षेत्र के तानाखार स्थित अनूप ढाबा के पास रायपुर से अंबिकापुर जा रही रॉयल यात्री बस सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। इस दर्दनाक हादसे में दो यात्रियों की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में एक की हालत गंभीर होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रॉयल यात्री बस रायपुर से यात्रियों को लेकर अंबिकापुर की ओर जा रही थी। रविवार तड़के करीब 3 बजे जब बस कटघोरा थाना क्षेत्र के तानाखार स्थित अनूप ढाबा के पास पहुंची, तभी सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से उसकी जोरदार टक्कर हो गई।

कचरे से बनेगी स्वच्छ ऊर्जा और जैविक खाद, मुख्यमंत्री श्री साय ने किया निर्माणाधीन सीबीजी संयंत्र का अवलोकन

सेंदरी में 75 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा सीबीजी संयंत्र,प्रतिदिन 130 टन कचरे से होगा लगभग 5 टन बायोगैस और 16 टन जैविक खाद का उत्पादन.....



बिलासपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज बिलासपुर प्रवास के दौरान ग्राम सेंदरी में गोवर्धन योजना अंतर्गत भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) द्वारा विकसित किए जा रहे कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र का अवलोकन किया। उन्होंने परियोजना की प्रगति, कचरा प्रसंस्करण की प्रस्तावित व्यवस्था तथा गैस एवं जैविक खाद उत्पादन की प्रक्रिया की जानकारी ली। लगभग 75 करोड़ रुपए की स्वीकृत लागत से विकसित हो रहे इस संयंत्र में प्रतिदिन 130 टन नगरीय ठोस अपशिष्ट का प्रसंस्करण कर लगभग 5 टन कंप्रेस्ड बायोगैस और 16 टन ठोस जैविक खाद का उत्पादन प्रस्तावित है। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, विधायक श्री अमर अग्रवाल, श्री सुशांत शुक्ला, श्री धरमलाल कौशिक, क्रेडा अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सवन्नी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, महापौर श्रीमती पूजा विधानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कचरे के उपयोग से स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन की दिशा में की जा रही इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऊर्जा की बढ़ती जरूरतों और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। कचरे से बायोगैस और जैविक खाद बनाने जैसी परियोजनाएं शहरों की स्वच्छता के साथ संसाधनों के बेहतर उपयोग का मार्ग प्रशस्त करती हैं। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और किसानों को उपयोगी जैविक खाद भी उपलब्ध हो सकेगी। ऐसी पहल स्वच्छ एवं हरित छत्तीसगढ़ के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही यह परियोजना बिलासपुर नगर निगम एवं छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल डेवलपमेंट अथॉरिटी के सहयोग से आकार ले रही है। संयंत्र में नगरीय ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण किया जाएगा। इससे कचरे के निस्तारण का दबाव कम होने के साथ ही अपशिष्ट से ऊर्जा एवं जैविक खाद जैसे उपयोगी उत्पाद तैयार किए जा सकेंगे। संयंत्र से उत्पादित सॉलिड फ्रैक्शन ऑफ ऑर्गेनिक मैन्योर (एसएफओएम) का उपयोग जैविक खाद के रूप में किया जा सकेगा, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और कृषि में जैविक संसाधनों के उपयोग को प्रोत्साहन मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि परियोजना स्थल पर प्रमुख सिविल कार्यों एवं आधारभूत संरचनाओं का निर्माण जारी है। निर्माण कार्यों के दौरान प्रतिदिन लगभग 150 श्रमिकों को रोजगार मिल रहा है।

18वीं यूएसआईसी क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में भारतीय रेलवे पुरुष टीम ने जीता स्वर्ण पदक

■ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के खिलाड़ियों ने भारतीय रेलवे टीम की जीत में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका



बिलासपुर। प्राग (चेक गणराज्य) में दिनांक 13 से 16 नवम्बर 2026 तक आयोजित 18वीं स्युष्ट क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में भारतीय रेलवे की पुरुष टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस उपलब्धि के साथ भारतीय रेलवे की टीम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश एवं भारतीय रेलवे का गौरव बढ़ाया है। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के दो कर्मचारियों ने भारतीय रेलवे की पुरुष टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। दोनों खिलाड़ी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में वाणिज्यिक सह टिकट क्लर्क के पद पर कार्यरत हैं। इनमें शामिल हैं— 1- श्री हरीश 2- श्री प्रिंस राज यादव भारतीय रेलवे की पुरुष टीम ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विभिन्न देशों की रेलवे टीमों को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश एवं खेल संघ के पदाधिकारियों ने भारतीय रेलवे की पूरी पुरुष टीम तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के दोनों खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार रेलवे एवं देश का नाम रोशन करने की कामना की।

किसानों की समृद्धि से ही छग प्रदेश की तरक्की:मोनिका सिंह



रामानुजनगर। किसानों की मेहनत और खुशहाली से प्रदेश की समृद्धि का रास्ता जुड़ा हुआ है। इसी भावना के साथ ग्राम तिवरागुड़ी में धान खरीदी केंद्र का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य मोनिका सिंह शामिल हुईं। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे का विधिवत पूजन-अर्चन कर धान खरीदी की शुरुआत की। इस अवसर पर किसानों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य मोनिका सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार ने भुइयां के भगवान कहे जाने वाले किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए धान खरीदी का शुभारंभ किया है। किसान हमारे देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं। किसानों की उन्नति और समृद्धि के साथ ही देश एवं प्रदेश का विकास जुड़ा हुआ है। इसलिए किसानों के हित में संचालित योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र किसान तक पहुंचना आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों के कल्याण और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। सरकार जो वादे करती है, उन्हें पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। धान खरीदी किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जिससे उन्हें अपनी मेहनत की उपज का उचित लाभ मिल सके। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी बेहतर व्यवस्था और सुविधाओं के साथ धान खरीदी की जाएगी। मोनिका सिंह ने किसानों को डिजिटल सुविधाओं की जानकारी देते हुए कहा कि किसान अपनी सुविधा के अनुसार 'तुहर टोकन मोबाइल ऐप' के माध्यम से घर बैठे धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त कर सकते हैं।

8 नवीन केंद्रों समेत 73 उपार्जन केंद्रों में 53 हजार 475 किसान समर्थन मूल्य पर बेच सकेंगे धान

कोरबा। खरीफ विपणन वर्ष 2026 -27 में आज 15 नवंबर से धान खरीदी अभियान का आगाज होगा। पारदर्शिता के लिए प्रदेश में पहली बार बायोमेट्रिक पद्धति आधारित धान खरीदी व्यवस्था की शुरुआत की जा रही है। किसानों अथवा उनके नॉमिनी उपार्जन केंद्र में जाकर थम्ब इम्प्रेशन (अंगूठा लगाने) के उपरांत ही समर्थन मूल्य पर धान बेच सकेंगे। जिले को 31 लाख 16 हजार 270 क्विंटल धान खरीदी का लक्ष्य दिया गया है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए 8 नए उपार्जन केंद्रों के साथ 60 आदिवासी सेवा सहकारी समितियों के कुल 73 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से 53 हजार 5,475 पंजीकृत किसानों के जरिए धान खरीदी की जाएगी। यहाँ बताना होगा कि छत्तीसगढ़ शासन खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक समर्थन मूल्य पर धान खरीदी करने जा रही है। इस साल खरीदी की मियाद पखवाड़े भर कम कर दी गई है। कोरबा जिले को इस साल 31 लाख 16 हजार 270 क्विंटल धान खरीदी का लक्ष्य दिया गया है । कुल 67 हजार 308.58 हेक्टेयर धान का रकबा है । 8 नए उपार्जन केंद्रों-मुढाली ,चोढ़ा,ढोलपुर,डोंड़की, परसदा,नवापारा ,परला ,एवं पुरैना समेत 60 आदिवासी सेवा सहकारी समितियों के कुल 73 धान उपार्जन केंद्रों के माध्यम से निर्धारित खरीदी दिवस में धान खरीदी की जाएगी। धान खरीदी के पहले ही दिन से इस साल धान की आवक (बोहनी) शुरू हो जाएगी। पहले दिन 15 नवंबर के लिए जिले में 11 समितियों के 11 उपार्जन केंद्रों के लिए 16 किसानों ने टोकन तुंहर एप से 49.48 क्विंटल धान का टोकन कटवाया है।

मंडल के बिलासपुर एवं शहडोल रेलवे स्कूल में वाक निबंध,ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन.....

■ भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, बलिदान एवं जनजातीय संस्कृति के गौरवशाली इतिहास को किया गया स्मरण



बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर मंडल के बिलासपुर एवं शहडोल स्थित रेलवे स्कूलों में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें देश की गौरवशाली जनजातीय विरासत से परिचित कराने के उद्देश्य से वाक, निबंध, ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को भारत की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं, कला एवं ऐतिहासिक विरासत के साथ-साथ जनजातीय समाज के उत्थान, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले महान जननायक भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष एवं आदर्शों से अवगत कराने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर मंडल के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-02, बिलासपुर में आयोजित कार्यक्रम में महान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी एवं जननायक भगवान बिरसा मुंडा के अद्वितीय योगदान, देशभक्ति, अदम्य साहस एवं अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध उनके ऐतिहासिक संघर्षों पर प्रकाश डाला गया। इसके पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। शहडोल स्थित रेलवे स्कूल में ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने अपनी कलाकृतियों के माध्यम से भगवान बिरसा मुंडा के जीवन एवं संघर्ष, जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक जीवनशैली, लोककला, प्रकृति संरक्षण तथा जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत को आकर्षक ढंग से उकेरा। वाक् एवं निबंध प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने भारत की गौरवशाली जनजातीय विरासत, समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं तथा राष्ट्र निर्माण में जनजातीय समाज की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाशीलता एवं कलात्मक अभिव्यक्ति प्रदर्शित करने के साथ-साथ देश की सांस्कृतिक विविधता और ऐतिहासिक विरासत को भी समझने का अवसर भी मिला।

15 महीने तक शिक्षिका की अनुपस्थिति पर विभाग मौन क्यों?कार्यभार ग्रहण करने पहुंचीं तो ग्रामीणों का विरोध

सूरजपुर। ग्राम पंचायत साल्ही के मनवार पारा स्थित प्राथमिक शाला में सहायक शिक्षिका के कार्यभार ग्रहण करने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। जानकारी के अनुसार, संबंधित शिक्षिका अगस्त 2025 से विद्यालय में अनुपस्थित थीं। करीब 15 महीने बाद 13 नवंबर 2026 को अचानक विद्यालय पहुंचकर कार्यभार ग्रहण करने की प्रक्रिया शुरू करने पर ग्रामीणों और अभिभावकों ने कड़ा विरोध जताया। ग्रामीणों एवं सरपंच का आरोप है कि पूर्व में संबंधित शिक्षिका शराब का सेवन कर विद्यालय आती थीं, जिसका बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता था। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय केवल पढ़ाई का स्थान नहीं, बल्कि बच्चों के भविष्य और संस्कार निर्माण का केंद्र है। ऐसे में शिक्षिका के आचरण को लेकर उठ रही शिकायतों को नजरअंदाज करना बच्चों के हितों के साथ खिलवाड़ होगा। ग्रामीणों और अभिभावकों ने इसी आधार पर शिक्षिका के पुनः कार्यभार ग्रहण करने पर आपत्ति जताई है। मामले को लेकर ग्राम पंचायत साल्ही के सरपंच कमलो सिंह ने संस्था प्रमुख एवं जिला कलेक्टर सूरजपुर को लिखित सूचना प्रेषित की है। इसमें संबंधित शिक्षिका को कार्यभार ग्रहण नहीं कराने और मामले में उचित संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की गई है। लेकिन इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल जिला शिक्षा अधिकारी सूरजपुर की भूमिका को लेकर खड़ा हो रहा है। क्या जिला शिक्षा अधिकारी को संबंधित शिक्षिका की अगस्त 2025 से लगातार अनुपस्थिति की जानकारी नहीं थी? यदि जानकारी थी, तो लगभग 15 महीने तक विभागीय स्तर पर क्या कार्रवाई की गई? क्या अनुपस्थिति की नियमित समीक्षा हुई



और क्या इस अवधि का कोई विभागीय रिकॉर्ड संधारित किया गया? यदि विभाग को इसकी जानकारी ही नहीं थी, तो यह शिक्षा विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल है। वहीं, जब इतने लंबे समय बाद शिक्षिका विद्यालय पहुंचीं, तब कार्यभार ग्रहण कराने से पहले उनकी अनुपस्थिति की अवधि, विभागीय अनुमति और संबंधित शिकायतों की जांच की गई या नहीं, यह भी स्पष्ट होना चाहिए। आखिरकार, बिना पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट किए कार्यभार ग्रहण कराने की प्रक्रिया पर ग्रामीणों की आपत्ति को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है?अब जिला शिक्षा अधिकारी सूरजपुर से सवाल है कि इस पूरे मामले में विभाग की जवाबदेही कौन तय करेगा? क्या शिक्षिका की अनुपस्थिति और ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच होगी या मामला केवल कार्यभार ग्रहण कराने तक सीमित रह जाएगा ग्रामीणों एवं अभिभावकों की मांग है कि जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग मामले को गंभीरता से लें, शिक्षिका की अनुपस्थिति का पूरा रिकॉर्ड जांचें, लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच कराएं तथा जांच के आधार पर नियमानुसार निर्णय लें। बच्चों के भविष्य और विद्यालय की गरिमा से जुड़े इस मामले में अब शिक्षा विभाग की कार्रवाई का इंतजार है। उक्त विषय पर जिला शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा के कार्यालय में रिपोर्टर उनका पक्ष लेने के लिए पहुंचे तो जिला शिक्षा अधिकारी अपने कार्यालय से बाहर निकलते हुए कहा कि इस विषय कि मुझे अभी जानकारी नहीं है मैं पता करवाता हूं

नदी में बढ़ा जलस्तर: जल संसाधन विभाग ने देर रात छोंडा पानी, डूबे छठ घाट

कोरबा। पूर्वांचल वासियों का छठ पर्व ऊर्जाधानी में धूमधाम से मनाया जा रहा है।इसकी शुरुआत खरना व्रत के साथ शनिवार से हुई और आज डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ इस पर्व का समापन होगा। पर्व की तैयारी में समस्त व्रती और उनके परिजन लगे हुए हैं। आज शाम डूबते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा का निर्वहन किया जाएगा जिसके लिए विभिन्न छठ घाटों में पूरी तैयारी पहले से कर ली गई है। इन तैयारी पर पिछले साल की तरह इस साल भी कुछ जगह पर पानी फिर गया है जिसमें वह घाट प्रमुख हैं जहां हसदेव नदी का पानी बहता है। सूचनाओं के मुताबिक हसदेव नदी के किनारे स्थित पुरानी बस्ती के करन घाट व इससे लगे दूसरे घाटों में की गई तैयारी पर देर रात पानी फिर गया। बताया जा रहा है कि शनिवार रात करीब 9.30 बजे नदी का जलस्तर एकाएक बढ़ने लगा और नदी के किनारे पूजा के लिए बनाए गए मठ बह गए। आज शाम की पूजा के लिए इन मठों को तैयार किया गया था। साथ ही टेंट भी लगाए गए हैं। यह सारे स्थान कल तक सूखे हुए थे और यहां व्यवस्थाएं की गई थी। बांस-बल्ली गाड़े गए और टेंट भी लगाए गए लेकिन आज सुबह यहां नजारा कुछ और नजर आया।

टाइगर श्रॉफ का दमदार कमबैक बहन बोलीं- वो वापस आ गया

फिल्म एक्टर टाइगर श्रॉफ पर मुंबई में 18 अक्टूबर को फायरिंग हुई थी, जिसमें वो बाल बाल बच गए थे। इस हमले के बाद से अभिनेता टाइगर श्रॉफ कहीं नज़र नहीं आए। साथ ही उन्होंने हमले के बाद सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट भी शेयर नहीं किया था। पर अब वो वापस आ गए हैं।





उन्होंने सोशल मीडिया पर धमाकेदार अंदाज़ में कमबैक किया है। उन्होंने 16 नवंबर यानी हमले के करीब एक महीने बाद अपने अपकमिंग गाने 'तैनू लेके जाना' का एक टीजर इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। टीजर में टाइगर अपनी मस्कुलर बॉडी फ्लॉन्ट करते दिखाई दे रहे हैं। टाइगर के कमबैक पर उनकी बहन खुशी श्रॉफ ने भी खुशी का इजहार किया है।टाइगर श्रॉफ ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर अपने गाने का छोटा सा टीजर जारी किया।

साई पल्लवी ने पुलिस अफसर बनने के लिए बदला लुक

5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली रामायण में सीता के किरदार के बाद, अभिनेत्री साई पल्लवी अपनी आगामी फिल्म ओम: चैप्टर 1 अधिरम: द ब्लड वुड में एक बिल्कुल ही अलग अवतार में दर्शकों के सामने होंगी। इस फिल्म में वह एक तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं, जिसे लाल चंदन की अवैध तस्करी की जांच का जिम्मा सौंपा गया है। इस चुनौती भरे किरदार के लिए साई ने एक बड़ा कदम उठाया है उन्होंने अपने बाल छोटे कटवा लिए हैं। उनके इस नए लुक को देखकर उनके माता-पिता भी हैरान रह गए, जिस पर अब अभिनेत्री ने खुलकर बात की है।



एक इंटरव्यू में साई पल्लवी ने अपने बाल कटवाने के पीछे की वजह बताई। उन्होंने कहा, मैंने अपने बाल कटवाए क्योंकि कहानी सुनने और अपने किरदार को समझने के बाद मुझे लगा कि यह आवश्यक है। मुझे स्क्रिप्ट इतनी पसंद आई कि मैं इस बदलाव के लिए तैयार हो गई। उन्होंने बताया कि बाल कटवाने के बाद जब उन्होंने वीडियो कॉल पर अपनी मां को नया लुक दिखाया, तो वह हैरान रह गईं और ढेर सारे सवाल पूछने लगीं। मां ने तो कॉल भी काट दिया। बाद में उनके पिता ने फोन करके पूछा कि क्या उन्होंने विग पहनी है। साई ने उन्हें समझाया कि यह पूरी तरह से उनके किरदार की मांग थी, और उन्हें उनके नए हेयरस्टाइल के साथ सहज होने में कुछ समय लगा।

निर्देशक राजकुमार पेरियासामी ने इस निर्णय का समर्थन करते हुए कहा कि इस किरदार के लिए यह लुक एकदम सही था। उन्होंने साई के समर्पण की सराहना की, फिल्म में हम अक्सर मुख्य किरदार की जरूरत के हिसाब से कुछ बदलाव करते हैं, और साई पल्लवी ने भी इस रोल के लिए अपने बाल कटवाकर एक बड़ा त्याग किया। कहानी के प्रति उनके लगाव ने ही इस बदलाव को मुमकिन बनाया। साई ने भी राजकुमार पर अपने भरोसे और स्क्रिप्ट की मांग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान उन्होंने अपने बालों को स्कार्फ से ढक कर रखा था ताकि फिल्म की रिलीज से पहले उनका यह लुक लीक न हो जाए। यह साई और राजकुमार की दूसरी फिल्म है, इससे पहले उनकी पहली फिल्म अमरन एक बड़ी हिट रही थी, जिसके लिए राजकुमार को बेस्ट डायरेक्टर का नेशनल अवॉर्ड भी मिला था।

IMA के विरोध के बाद पोस्टपोन हुई सनी देओल की 'सूर्या'

सनी देओल और रवि किशन की फिल्म 'सूर्या: अंत से आरंभ तक' 20 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। पर फिल्म को लेकर हुए विवाद के बाद अब ये अपने तय वक्त पर रिलीज नहीं हो पाएगी। मेकर्स ने इसकी रिलीज को फिलहाल 2027 तक के लिए टालने का फैसला किया है। पिछले महीने 'सूर्या' का टीजर आया था, जिसके बाद इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) ने इसमें डॉक्टरों के चित्रण के तरीके पर सवाल उठाए थे। मामला कोर्ट तक पहुंच गया था।विवाद के बाद से फिल्म की रिलीज पर खतरा मंडराता नज़र आ रहा था।



अब बॉलीवुड हंगामा ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि मेकर्स ने फिल्म को फिलहाल पोस्टपोन करने का फैसला किया है ताकि 'सूर्या' को लेकर आईएमए की चिंताओं का समाधान किया जा सके। मेकर्स अब इस फिल्म को 15 जनवरी, 2027 को रिलीज़ करने के बारे में सोच रहे हैं। हालांकि मेकर्स आधिकारिक तौर पर अब डेट का ऐलान तब ही करेंगे जब फिल्म पर विवाद खत्म होगा और सीबीएफसी से इसे हरी झंडी मिल जाएगी। सूर्या का निर्देशन मलयालम फिल्ममेकर एम पद्मकुमार ने किया है। फिल्म का पहला टीजर सनी देओल के बर्थडे पर 19 अक्टूबर को रिलीज़ किया गया था। टीजर में सनी देओल हेल्थकेयर सिस्टम की गड़बड़ियों के खिलाफ लड़ते दिखाई दिए। साथ ही वो डॉक्टरों के खिलाफ हिंसा भी करते दिखे। इसको लेकर आईएमए ने फिल्म के खिलाफ मोर्चा खोला और इसका विरोध किया। डॉक्टरों का कहना था कि जिस तरह की सामग्री टीजर में है, उससे लोगों के बीच डॉक्टर को लेकर नफरत पैदा हो सकती है।

शाहरुख संग टीवी डेब्यू करेंगे करण जौहर के जुड़वा बच्चे

दिग्गज फिल्म निर्देशक करण जौहर इन दिनों अपने टॉक शो 'कॉफी विद करण' का नौवां और आखिरी सीजन होस्ट कर रहे हैं। करण ने पहले ही ऐलान कर दिया था कि 22 साल पुराने इस शो का उनका ये आखिरी सीजन होगा। करण इसे शानदार अंदाज में विदाई देना चाहते हैं। बताया जा रहा है कि उनके शो के आखिरी एपिसोड में सुपरस्टार शाहरुख खान आएंगे। जबकि इसके जरिए करण जौहर के जुड़वा बच्चे भी टीवी डेब्यू करने वाले हैं। करण जौहर के टॉक शो कॉफी विद करण की शुरुआत साल 2004 में हुई थी। गौरतलब है कि इसके पहले गेस्ट भी शाहरुख खान बने थे। उनके साथ दिग्गज एक्ट्रेस काजोल भी शो में पहुंची थीं। वहीं अब आखिरी गेस्ट भी शाहरुख खान बनने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहरुख ने एपिसोड की शूटिंग पूरी कर ली है। रिपोर्ट्स में ये भी बताया गया है कि शाहरुख खान वाले एपिसोड में करण जौहर के दोनों बच्चे बेटी रूही और बेटे यश भी दिखाई देंगे। वो अपने पिता के शो के जरिए शाहरुख खान के साथ टीवी डेब्यू करेंगे। ये पल न सिर्फ करण और उनके शो के लिए बल्कि उनके पूरे परिवार के लिए एक यादगार पल बन जाएगा।



करण जौहर का जन्म दिग्गज फिल्ममेकर यश जौहर और हीरू जौहर के घर 25 मई 1972 को मुंबई में हुआ था. 54 वर्षीय करण ने अब तक शादी नहीं की है. हालांकि फिर भी वो दो बच्चों के पेरेंट्स हैं. बता दें कि करण के जुड़वा बच्चों का जन्म साल 2017 में सरोगेसी के जरिए हुआ था. सरोगेसी के जरिए करण जौहर ने अपने पिता बनने के सपने को पूरा किया था. उन्होंने बेटी का नाम रूही और बेटे का नाम पिता के नाम पर यश रखा था.

'द वन' के सीक्वल का एकता कपूर ने किया ऐलान

एकता कपूर ने अपने करियर में टीवी के साथ ही बड़े पर्दे पर भी कई हिट फिल्में दी हैं। वो टीवी से लेकर ओटीटी और थिएटर में दमदार प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रह चुकी हैं। ऐसे में हैं अब उन्होंने फैंस को बड़ा सरप्राइज दिया है। उन्होंने 'द वन' की सफलता को देखते हुए इसके सीक्वेल का ऐलान किया है, जिसके बाद फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा है। दरअसल, एकता कपूर ने इंस्टाग्राम पर 'द वन' का एक प्रोमो वीडियो शेयर किया है, जिसमें इसकी पहली झलक देखने के लिए मिलती है।

एकता कपूर ने फिल्म की पहली झलक दिखाकर इसके सीक्वल के लिए फैंस और भी एक्साइटेड कर दिया है। एकता कपूर ने 'द वन 2' की पहली झलक का वीडियो शेयर किया, जिसमें पहले तो छठ महापर्व की झलक देखने के लिए मिलती है, इसी बीच एक अलग म्यूजिक बजता है और बच्ची जंगल में जाते हुए नजर आती है। फिर देवी दुर्गा का गीत भी बजता है। ये प्रोमो काफी दमदार नजर आता है, जिसमें हॉरर के साथ ही माइथोलॉजी का तड़का देखने के लिए मिलने वाला है। इसका म्यूजिक और सीन काफी दमदार नजर आता है। इससे एक बार साफ जाहिर है कि एकता कपूर 'द वन 2' के लिए जरिए एक बार फिर से नई कहानी लेकर आ रही हैं। हालांकि, अभी तक कहानी के बारे में कुछ भी रिवील नहीं किया गया है। एकता कपूर ने 'द वन 2' की पहली झलक शेयर करने के साथ ही कैप्शन में लिखा, 'द वन की कहानी अभी बाकी है।'



'हनुमान' फेम एक्टर के घर जल्द बजेगी शहनाई

ब्लॉकबस्टर फिल्म 'हनुमान' से मशहूर हुए तेलुगु एक्टर तेजा सज्जा ने हैदराबाद में एक निजी समारोह में अपनी होने वाली पत्नी के साथ सगाई कर ली है। तेजा सज्जा की सगाई का पारंपरिक कार्यक्रम बंजारा हिल्स के ताज कृष्णा होटल में आयोजित किया गया था, जिसमें परिवार के करीबी सदस्य, दोस्त, साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सितारे और कई मशहूर हस्तियां भी इस जश्न में शामिल हुईं।



वहीं, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में मेहमान तेजा सज्जा की सगाई का जश्न मनाने पहुंचे नजर आ रहे हैं। एक्टर तेजा की शादी और सगाई की खबरें तब सामने आईं, जब वह तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मिले और उन्हें शादी का न्योता दिया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, विधायक हरीश राव, अभिनेता शिवाजी, निर्माता साहू गारापति और निर्देशक कार्तिक गट्टमनेनी मौजूद थे। इस समारोह में जोड़े के माता-पिता और अन्य रिश्तेदार भी शामिल हुए। सगाई से कुछ दिन पहले तेजा ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की थी और उन्हें इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया था। अभिनेता ने 'X' (ट्विटर) पर मुख्यमंत्री के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए बताया कि उन्होंने उन्हें निमंत्रण दिया है। तेजा सज्जा की सगाई में अल्लू अर्जुन के पिता अल्लू अरविंद, राणा दग्गुबाती और रवि तेजा समेत कई मशहूर हस्तियां शामिल हुईं, जिनके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। मेगास्टार चिरंजीवी ने तेजा सज्जा की सगाई में भी शानदार एंट्री की।

फीचर

आज का राशिफल

मेष राशि - आज आपका उत्साह बढ़ेगा और आप अपने आपको भाग्यशाली अनुभव करेंगे। कार्यक्षेत्र में नए मौके मिलेंगे। जीवनसाथी से प्यार और सम्मान प्राप्त होगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय लेने से बचें। आपके सामने कुछ भावनात्मक चुनौतियां आ सकती हैं। आप अपने भाई-बहनों का सहयोग करेंगे। आज नया व्यापार शुरू करने का विचार कर सकते हैं।

वृषभ राशि - आपके लिए आज का दिन खुशहाल रहेगा। जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं। छात्रों की रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और करियर में नए अवसर मिलेंगे। लंबी यात्राओं के योग हैं, जिससे आपके व्यापार में लाभ होगा और आर्थिक मजबूती आएगी। पारिवारिक जीवन की समस्याएं दूर होंगी। आपको अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

मिथुन राशि - आपके लिए आज का दिन सकारात्मक बदलाव लाने वाला है। प्राइवेट सेक्टर में जॉब करने वाले लोगों को कोई अच्छा प्रोजेक्ट मिल सकता है, जिसमें आप अपनी पूरी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे और इससे लाभ होगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है।

कर्क राशि - आपके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा और किसी बड़े लाभ की प्राप्ति हो सकती है। आध्यात्मिक कार्यों में आनंद आएगा। किसी कोर्ट केस का नतीजा आपके पक्ष में आने की संभावना है। विरोधी कुछ परेशानियां खड़ी करने की कोशिश कर सकते हैं, सतर्क रहें। पारिवारिक जीवन में खुशियां बनी रहेंगी।

सिंह राशि - आपके लिए आज का दिन सफलता दिलाने वाला है और आपके सभी काम बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिसमें अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा। कुछ कार्यों को लेकर भागदौड़ हो सकती है, लेकिन पॉजिटिव सोच बनाए रखें। वैवाहिक रिश्ते में अच्छी बॉन्डिंग बनेगी और परिवार का पूरा सपोर्ट मिलेगा।

कन्या राशि - आपके लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। नौकरी में बॉस का सहयोग मिलेगा, जिससे काफी लाभ होने की संभावना है। साझेदारी के व्यापार में तालमेल अच्छा बना रहेगा। किसी के माध्यम से धन लाभ हो सकता है। परिवार में आनंद का वातावरण बना रहेगा और आपका सोशल सर्आज बढ़ेगा। बिजनेस से जुड़ी कोई यात्रा हो सकती है।

तुला राशि- आपके लिए आज का दिन बदलाव लाने वाला रहेगा। किसी अनुभवी व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जिससे अच्छा सहयोग मिलेगा। व्यापार में लाभ होगा। किसी पारिवारिक आयोजन पर धन खर्च हो सकता है, जिससे पारिवारिक रिश्ते और मजबूत होंगे। जीवनसाथी के साथ रिश्ते मधुर होंगे और अविवाहितों के लिए विवाह के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक राशि - आपके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा और पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी। कार्यक्षेत्र में अधिक काम मिल सकता है, जिसमें सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा। व्यापार में लाभ के योग हैं और पहले किए गए निवेश से फायदा होगा। प्राइवेट सेक्टर में काम करने वालों को आर्थिक लाभ के संकेत हैं। अधिक उत्तेजित होने से बचें और सकारात्मकता बनाए रखें।

धनु राशि- आज के दिन आपकी पॉजिटिविटी बनी रहेगी। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव रहेगा, लेकिन आप समय पर कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और करियर में प्रगति के योग हैं। खुद का व्यवसाय करने वालों को विरोधियों का सामना करना पड़ सकता है। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को विदेश में पढ़ने के अवसर मिलेंगे।

मकर राशि - आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। नई नौकरी के लिए कोई ऑफर आ सकता है। परिजनों के साथ आपसी तालमेल बनाकर रखें। व्यापार में अच्छे लाभ की प्रबल संभावना है और पुराने निवेश से अच्छा रिटर्न मिलेगा। विद्यार्थियों की रुचि खेलकूद में बढ़ेगी। अच्छे धन लाभ के योग हैं। परिवार और जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा।

कुंभ राशि- आपका दिन अच्छा बीतेगा। अच्छी रणनीति के साथ कार्यक्षेत्र में काम करेंगे और सहकर्मियों के साथ तालमेल बेहतर रहेगा। जीवनसाथी के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। पारिवारिक खर्च बढ़ेंगे और धार्मिक कार्यों में रुचि रहेगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक यात्रा पर भी जा सकते हैं।

मीन राशि-आज आपका दिन लकी रहेगा और किसी सिलसिले में विदेश यात्रा का मौका मिल सकता है। आपका मन अध्यात्म में लगेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन अपनी समझदारी से आगे बढ़ेंगे तो लाभ होगा। व्यापार को और बढ़ाने के लिए नया प्लान बनाएंगे, जो सफल होगा।

देवउठनी यानी प्रबोधिनी एकादशी कब है

इस वर्ष देवउठनी यानी प्रबोधिनी एकादशी का पावन पर्व स्मार्त और गृहस्थ संप्रदाय के लोग 20 नवंबर को मनाएंगे, जबकि वैष्णव संप्रदाय के श्रद्धालु 21 नवंबर को यह व्रत रखेंगे। शास्त्रों में इस एकादशी का विशेष महत्व बताया गया है क्योंकि इसी दिन चार महीने का चातुर्मास समाप्त होता है और भगवान विष्णु योग निद्रा से जागते हैं। चातुर्मास के समापन के साथ ही एक बार फिर से विवाह और अन्य मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो जाती है। इसके साथ ही इस शुभ अवसर पर भगवान शालिग्राम और माता तुलसी के विवाह का भी विधान है। चलिए अब जानते हैं देवउठनी एकादशी के उन खास उपायों के बारे में जो आपके जीवन में खुशहाली और समृद्धि ला सकते हैं।



आर्थिक सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी के लिए इस दिन तुलसी के पौधे के पास घी का दीपक जलाएं और उसे भोग के रूप में बताशे अर्पित करें। साथ ही भगवान विष्णु की विधिवत् पूजा करें और पूजा के समय कुछ सिक्के और कौड़ियां जरूर रखें। जब पूजा समाप्त हो जाये तो उन सिक्को और कौड़ियों को अपनी तिजोरी में रख दें। जीवन में सौभाग्य बनाये रखने के लिए देवउठनी एकादशी पर तुलसी के पौधे पर लाल चुनरी चढ़ाएं और श्री विष्णु भगवान को एकाक्षी नारियल अर्पित करें।

जिंदगी में खुशहाली बनाए रखने के लिए इस दिन पंजीरी का प्रसाद बनाएं और उसमें केले के टुकड़े और साबुत तुलसी की पत्तियां भी डाल दें। फिर भगवान विष्णु की विधि-पूर्वक पूजा करके यह प्रसाद उन्हें अर्पित करें। इसके बाद बाकी बचे प्रसाद को परिवार के सभी सदस्यों में बांट दें।

अच्छी आमदनी के लिए इस दिन भगवान विष्णु को हल्दी का टीका लगाएं और तुलसी दल से उनकी पूजा करें।

अगर आपके शादीशुदा जीवन में परेशानी चल रही है तो इस दिन पति-पत्नी दोनों को मिलकर दक्षिणावर्ती शंख में जल भरकर श्री विष्णु को अर्पित करना चाहिए।

अगर आपकी बेटी के विवाह में किसी प्रकार की अड़चन आ रही है, तो इस दिन आपको पांच तुलसी दल लेकर उस पर हल्दी का टीका लगाकर श्री हरि को अर्पित करना चाहिए।

17 नवंबर को मनाई जाएगी गोपाष्टमी



हिंदू धर्म में गाय को मां का दर्जा दिया गया है और उनकी पूजा को बेहद शुभ माना जाता है। गाय को सिर्फ आस्था का प्रतीक ही नहीं, बल्कि सुख-समृद्धि और खुशहाली से भी जोड़कर देखा जाता है। इसी वजह से हिंदू धर्म में गायों की सेवा और पूजा के लिए एक खास दिन समर्पित किया गया है, जिसे गोपाष्टमी के नाम से जाना जाता है। साल 2026 में गोपाष्टमी का पर्व 17 नवंबर, मंगलवार को मनाया जाएगा। इस दिन मंदिरों और गोशालाओं में खास आयोजन होते हैं और श्रद्धालु गौ माता की पूजा-अर्चना करते हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि आखिर गोपाष्टमी हर साल क्यों मनाई जाती है और इसका भगवान श्रीकृष्ण से क्या संबंध है। दरअसल, इस पर्व के पीछे एक खास पौराणिक कथा जुड़ी हुई है।

गोपाष्टमी 2026 कब है?

अष्टमी तिथि प्रारंभ: 17 नवंबर को सुबह 4 बजकर 20 मिनट से

अष्टमी तिथि समाप्त: 18 नवंबर को सुबह 6 बजकर 6 मिनट तक

उदयातिथि के अनुसार गोपाष्टमी का पर्व 17 नवंबर को ही मनाया जाएगा.

गोपाष्टमी क्यों मनाई जाती है?

गोपाष्टमी का पर्व हर साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। पौराणिक कथा के मुताबिक, भगवान श्रीकृष्ण बचपन में पहले केवल बछड़ों को चराने जाया करते थे। लेकिन जब वह बड़े हुए, तब इसी दिन उन्होंने अपने बड़े भाई बलराम जी के साथ पहली बार गायों को चराने की जिम्मेदारी संभाली। भगवान कृष्ण की इस लीला को गौ-चारण लीला कहा जाता है। इसी वजह से उन्हें गोपाल और गोविंदा जैसे नामों से भी जाना जाता है। तभी से इस दिन को गोपाष्टमी के रूप में मनाने की परंपरा जुड़ी हुई है।

मंदिर में घंटी बजाने का क्या है धार्मिक महत्व?

हिंदू धर्म में मंदिर में प्रवेश करते ही घंटी बजाने की परंपरा सदियों पुरानी है। धार्मिक मान्यता है कि घंटी की ध्वनि से वातावरण पवित्र होता है और मन एकाग्र होकर पूजा-पाठ में लगता है। हिंदू धर्म में पूजा-पाठ और मंदिरों से जुड़ी कई परंपराओं का विशेष महत्व है। इन्हीं में से एक है मंदिर में प्रवेश करते समय घंटी बजाना। आमतौर पर भक्त मंदिर में दर्शन करने से पहले घंटी बजाते हैं। इसे देवी-देवताओं के समक्ष अपनी उपस्थिति दर्ज कराने और पूजा की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मंदिर की घंटी से निकलने वाली ध्वनि नकारात्मक विचारों को दूर करने और मन को शांत करने में सहायक मानी जाती है। माना जाता है कि घंटी बजाने से वातावरण में सकारात्मकता आती है और भक्त का ध्यान सांसारिक गतिविधियों से हटकर ईश्वर की भक्ति में केंद्रित होता है।



परंपरागत रूप से मंदिरों की घंटियां पीतल, कांसा और अन्य धातुओं के मिश्रण से बनाई जाती हैं। मान्यता है कि घंटी की ध्वनि स्पष्ट और मधुर होनी चाहिए। इसे बजाने पर निकलने वाली गूंज को आध्यात्मिक वातावरण बनाने वाला माना जाता है। मंदिर में प्रवेश करते समय, आरती के दौरान और पूजा के विशेष अवसरों पर घंटी बजाने की परंपरा है। हालांकि, अलग-अलग मंदिरों और संप्रदायों में इसके नियम अलग हो सकते हैं।

घनी और हरी भरी रहेंगी तुलसी की पत्तियां

तुलसी एक ऐसा पौधा है जो धार्मिक रूप से बहुत महत्व रखता है और ये मेडिसिनल प्रॉपर्टीज से भी भरपूर होता है। बहुत ज्यादा गर्मी या बहुत ज्यादा सर्दी हो और तुलसी की सही देखभाल न की जाए तो ये पौधा सूखने लगता है। सर्दियों में खासकर धूप की कमी, पाला पड़ना जैसी वजहों से तुलसी मुरझा जाती है और इसकी पत्तियां काली पड़कर झड़ना शुरू हो जाती हैं। अगर तुलसी की देखभाल के सही तरीके और कुछ हैक्स पता हो तो आप सूखते हुए पौधे को भी दोबारा से हरा कर सकते हैं।

पौधे की मंजरी हटा दें

आपके तुलसी के पौधे पर अगर बहुत सारी मंजरी है और उसमें से कुछ सूखना भी शुरू हो गई है तो इसे हटा दें। सारी मंजरी को धीरे-धीरे तोड़ें ताकि तने पर खिंचाव न पड़े। हरी मंजरी का इस्तेमाल चाय में कर लें और सूखी हुई मंजरी से बीज निकालकर गमले में ही डाल दें। इससे और भी पौधे उग जाएंगे। दरअसल जब पौधे पर बहुत सारी मंजरी निकल आती हैं तो उसकी ग्रोथ कम हो सकती है। दरअसल जब पौधे पर बहुत सारे फूल या बीज आते हैं तो वो अपनी पूरी ऊर्जा उसी पर लगाते हैं, जिससे नई पत्तियों और शाखाओं की ग्रोथ धीमी होने लगती है।



कपड़े से ढक दें तुलसी

ज्यादा सर्दी होती है तो पाला और बर्फीली हवा की वजह से तुलसी की पत्तियां सिकुड़कर सूखना शुरू हो जाती हैं। इससे पौधा घना नहीं हो पाता है। इससे बचाने के लिए पौधे को ऐसी जगह रखें जहां इसे हल्की धूप मिलती रहे और हवा, कोहरे से भी बचाव हो। इसके अलावा एक हल्के सूती कपड़े से तुलसी को ढककर रखना चाहिए।

गुड़ाई करना और पानी डालना

सर्दियों में गमले की मिट्टी जाम हो जाती है। इस वजह से पानी गमले में ही रुकने लगता है, नतीजा पौधा सूखना शुरू हो जाता है। समय-समय पर मिट्टी की गुड़ाई करते रहें और चेत करें कि पानी की निकासी सही है या फिर नहीं। गुड़ाई करने के बाद मिट्टी में 1 से डेढ़ महीने में थोड़ी खाद भी डालते रहें। ध्यान रखें कि पौधे में तब तक पानी न डालें, जब तक कि मिट्टी सूखने न लगे।

भिलाई में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस, स्कूली बच्चों की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

सांसद विजय बघेल ने स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी महापुरुषों के योगदान को किया याद, अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर दिया जोर





भिलाई/दुर्ग (ब्यूरो)। जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और उनके गौरवशाली इतिहास को सम्मान देने के उद्देश्य से भिलाई के सिविक सेंटर स्थित महात्मा गांधी कला मंदिर ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग सांसद विजय बघेल शामिल हुए, वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन और दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर मौजूद रहे।

*सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बिखेरी आदिवासी विरासत की छटा-समारोह के दौरान जनजातीय समाज की लोक संस्कृति और परंपराओं को बेहद आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने पारंपरिक आदिवासी गीतों की धुन पर मनमोहक लोक नृत्य प्रस्तुत कर सभागार में समां बांध दिया। बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने आदिवासी विरासत की जीवंत झलक पेश की और नई पीढ़ी को अपनी जड़ों व सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ने का संदेश दिया।

आजादी के नायकों को किया नमन-कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद विजय बघेल ने जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने देश की आजादी की लड़ाई में जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के अतुलनीय बलिदान और योगदान को याद करते हुए कहा कि समाज के महापुरुषों का जीवन आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का संकल्प-समारोह में अतिथियों और अधिकारियों ने जनजातीय समाज के सर्वांगीण उत्थान पर चर्चा करते हुए शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। इस गरिमामय आयोजन में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, विद्यार्थी एवं जनजातीय समाज के प्रमुख प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

36 घंटे के कठिन व्रत के बाद उगते सूर्य को अर्घ्य, महाप्रसाद ग्रहण कर व्रतियों ने किया पारण



-भिलाई। लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ का आज सेक्टर-2 छठ घाट पर श्रद्धा और भक्ति के साथ समापन हुआ। 36 घंटे के कठिन निर्जला व्रत के बाद सोमवार सुबह व्रतियों ने उदयगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और निरोगी जीवन की कामना की। इसके साथ ही छठी मैया को विदाई देकर व्रत का पारण किया गया।सूर्य को अर्घ्य देने के पश्चात व्रतियों ने जल, चाय और पारंपरिक महाप्रसाद ठेकुआ ग्रहण कर 36 घंटे के कठिन व्रत का समापन किया। इस दौरान छठ घाट पर पहुंचे श्रद्धालुओं के बीच भी महाप्रसाद का वितरण किया गया।घाट पर आस्था का एक विशेष दृश्य भी देखने को मिला। विभिन्न मान्यताओं और धार्मिक विश्वासों के साथ झोली फैलाकर महाप्रसाद की याचना करने पहुंचे श्रद्धालुओं की झोली प्रसाद से भरकर उन्हें सम्मानपूर्वक विदा किया गया। आयोजन की इस परंपरा में कोई भी श्रद्धालु खाली हाथ नहीं लौटा। पूरे पर्व के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और भक्ति का माहौल रहा। वहीं प्रशासन की मुस्तैदी, सुरक्षा व्यवस्था और आवश्यक इंतजामों के चलते छठ महापर्व निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।सूर्य उपासना, लोक परंपरा, सेवा और सामूहिक आस्था का संदेश देते हुए सेक्टर-2 छठ घाट पर चार दिवसीय छठ महापर्व का श्रद्धापूर्वक समापन हुआ उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ जहां व्रतियों की 36 घंटे की कठिन तपस्या पूर्ण हुई,

9 दिसंबर को जिला मुख्यालय जांजगीर के अग्रसेन भवन में होगा छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन. प्रदेश अध्यक्ष अमित गौतम के मार्गदर्शन में यूनियन की जिला इकाई जांजगीर चांपा ने किया है आयोजन

रायपुर -छत्तीसगढ़ प्रदेश में पत्रकारों के सबसे सशक्त संगठन छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन आगामी 9 दिसंबर 2026 को श्री अग्रसेन भवन स्टेशन रोड नैला जांजगीर में आयोजित किया गया है।उपरोक्त सम्मेलन का आयोजन यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष अमित गौतम के मार्गदर्शन में यूनियन की जांजगीर चांपा जिला इकाई द्वारा आयोजित किया गया है। उपरोक्त जानकारी देते हुए यूनियन के प्रदेश कार्यालय ने बताया कि 9 दिसंबर 2026 को सुबह 11:00 से प्रदेश स्तरीय सम्मेलन प्रारंभ होगा। जिसमें उद्घाटन एवं समापन सत्र के माध्यम से यह कार्य म आयोजित किया गया है। एवं इस पूरे एक दिवसीय कार्य म में छत्तीसगढ़ शासन के मंत्रीगण। सांसद गण।विधायक गण। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष सहित प्रमुख जन मौजूद रहेंगे तथा प्रदेश स्तरीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन के सभी प्रदेश पदाधिकारी। संभागीय पदाधिकारी। सभी जिलों के अध्यक्ष एवं सदस्यों को इस कार्य म में आमंत्रित किया गया है ।

छठ ब्रती महिलाओ को दूध व काढ़ा का हुआ वितरण, नावों से हुई निगरानी



गाजीपुर। भोजपुरिया क्षेत्रो में मनाया जाने वाला छठ पर्व पूरे जनपद में सोमवार को उदयगामी सूर्य को दूध की धार देकर मनाया गया। गंगा घाटो व ग्रामीण सरोवरो व तालाबो पर प्रकाश व सफाई, सुरक्षा व्यवस्था व डाला छठ के संगीमय भोजपूरी धून ने सभी श्रद्धालुओ को मत्रमुग्ध कर दिया। स्थानीय प्रशासन एवं स्वयं सहायता समूहो के माध्यम से सेवा कार्य से सफल आयोजन किया गया। प्रशासनिक व्यवस्था की निगरानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक प्रभात एवं सैदपुर के जिला प्रचारक गौरव व जिला शासकीय अधिवक्ता कृपाशंकर ने रविवार को देर साम गंगा घाटो का भ्रमण किया। स्वयंसेवको ने नगर के कलेक्टरघाट, ददरीघाट, नवापुराघाट, चीतनाथ घाट पर सोमवार को प्रातः काढ़ा व चाय, कॉफी का स्टाल लगाकर छठ के श्रद्धालुओ मे वितरण किया गया तो वही विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल ने शिविर लगाकर प्रातः गंगाघाट पर अर्घ्य देने के लिए दूध का निःशुल्क वितरण प्रान्त पदाधिकारी दिनेश चन्द्र पाण्डेय व जिलाध्यक्ष विपिन श्रीवास्तव, रविराज ने कार्यकर्ताओ के सहयोग से किया। इसके साथ जमानियां, धारानगर, कासिमाबाद, मरदह, बिरनो, रेवतीपुर, भदौरा, दिलदारनगर, सेवराई, गहमर, नन्दगंज, करण्डा, जखनियां, सादात, दुल्हपुर, शादियाबाद, खानपुर, मौधिया आदि क्षेत्रो में छठ पर्व स्वंयसेवको ने अपना सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर नगर संघचालक सर्वजीत, हर्ष सरकारी अधिवक्ता अखिलेश सिंह, रामकुमार, संजय राय, नरेन्द्र सिंह, चन्द्रमोहन, दिनदयाल, अर्थव, अभिषेक, गौरव, श्याम, कुलदीप, रामजनम, रोहित, सरदार राजन, शंकर, स्वप्नील, वरूण, बालकिशन सहित सैकड़ो स्वयंसेवको ने सहयोग प्रदान किया।

धान खरीदी में किसानों का रकबा छीन रही सरकार, कांग्रेस ने दी NH जाम की चेतावनी

किसानों के हक की लड़ाई में सड़क पर उतरी जिला कांग्रेस, चेतावनी रैली निकालकर किया कलेक्ट्रेट का घेराव, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन



जांजगीर-चांपा। धान खरीदी व्यवस्था में व्याप्त अव्यवस्थाओं, विभागीय लापरवाही और तकनीकी खामियों के चलते जिले के किसानों को हो रही गंभीर परेशानियों के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित चेतावनी रैली में अकलतरा विधायक राघवेन्द्र कुमार सिंह, जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप, पामगढ़ विधायक श्रीमती शेषराज हरबंश, जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू सहित जिलेभर के वरिष्ठ कांग्रेस नेता, ब्लॉक एवं मंडल कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्ष, किसान और सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेसजनों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए पैदल मार्च किया और कलेक्ट्रेट पहुंचकर घेराव किया। तत्पश्चात कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर किसानों की समस्याओं का तत्काल निराकरण करने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जल, जंगल और जमीन के बाद अब किसानों के खेतों का रकबा भी छीनने में लगी है। वोट चोरी, राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के आरोपों के बाद अब प्रदेश के किसानों के हक पर डाका डालने का काम किया जा रहा है। सरकार की नीतियों और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं के कारण अन्नदाता अपने ही खेत में उपजे धान को बेचने के लिए परेशान और बेबस है।कांग्रेस ने कहा कि धान खरीदी के दौरान किसानों पर जबरन रकबा समर्पण का दबाव बनाया जा रहा है। रकबा संशोधन में अनावश्यक अड़चनें, बचत धान के भौतिक सत्यापन की जटिलताएं, एग्रीस्टेक पंजीयन में समस्याएं, बहु एप्लिकेशन की तकनीकी खामियां तथा भुइयां पोर्टल में दर्ज विभागीय त्रुटियों के कारण किसान खरीदी केंद्रों से लेकर सरकारी कार्यालयों तक चक्कर काटने को मजबूर हैं। इन अव्यवस्थाओं ने किसानों की मेहनत, उपज और आर्थिक हितों पर संकट खड़ा कर दिया है। जिला कांग्रेस कमेटी ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि किसानों पर जबरन रकबा समर्पण का दबाव तत्काल बंद किया जाए, रकबा संशोधन की प्रक्रिया सरल बनाई जाए, बचत धान का भौतिक सत्यापन पारदर्शी तरीके से हो तथा एग्रीस्टेक, बहु एप्लिकेशन और भुइयां पोर्टल की सभी तकनीकी एवं विभागीय त्रुटियों का तत्काल निराकरण किया जाए, ताकि कोई भी वास्तविक किसान अपनी उपज बेचने से वंचित न रहे।कांग्रेस नेताओं ने दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि यह किसानों के सम्मान, अधिकार और उनकी मेहनत की कमाई की लड़ाई है। कांग्रेस किसानों के साथ हो रहे अन्याय को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। यदि शासन-प्रशासन ने शीघ्र ही समस्याओं का निराकरण नहीं किया तो जिला कांग्रेस कमेटी व्यापक महाधरना-प्रदर्शन आयोजित कर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चक्काजाम करने के लिए बाध्य होगी। इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

जंगलों में शराब का साम्राज्य, आबकारी विभाग की कार्रवाई पर उठे सवाल!



जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले के घने जंगलों में अवैध कच्ची महुआ शराब का कारोबार आखिर किसके संरक्षण में फल-फूल रहा है? आबकारी विभाग के दावों को चुनौती देते शराब कोचिये बेखौफ होकर अपना अवैध कारोबार चला रहे हैं। गांव की गलियों से लेकर जंगलों तक शराब की कथित भट्टियां संचालित होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। एक तरफ शिवरीनारायण पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है, तो दूसरी तरफ आबकारी विभाग की कथित सुस्ती पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आखिर आबकारी विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की नजर इन अवैध कारोबारियों तक क्यों नहीं पहुंच रही? क्या विभाग को सब कुछ दिखाई नहीं दे रहा, या फिर कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति हो रही है? देखिए हमारी यह खास पड़ताल। जंगल घना है... रास्ते सुनसान हैं... और इसी जंगल के बीच कथित तौर पर चल रहा है अवैध कच्ची महुआ शराब का बड़ा कारोबार! जी हां! हम बात कर रहे हैं जांजगीर-चांपा जिले के देवरी और खोरसी सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों की, जहां अवैध महुआ शराब के निर्माण और बिक्री को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि शराब कोचिये बड़े पैमाने पर कच्ची महुआ शराब तैयार कर रहे हैं और आसपास के गांवों में इसकी खुलेआम सप्लाई की जा रही है। गांव की गलियों के नुक्कड़ों तक शराब पहुंचने की शिकायतें हैं, लेकिन इस पूरे नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश लगता दिखाई नहीं दे रहा। सबसे बड़ा सवाल आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर है! बताया जा रहा है कि नवागढ़, शिवरीनारायण और पामगढ़ बीट में नए आबकारी इंस्पेक्टरों की तैनाती के बाद से अवैध कच्ची महुआ शराब के कारोबार को लेकर शिकायतें बढ़ी हैं। आखिर क्या वजह है कि शराब बनाने वाले कथित कोचियों के हौसले बुलंद हैं? क्या आबकारी विभाग को इन ठिकानों की जानकारी नहीं है? या फिर विभाग की निगरानी व्यवस्था ही सवालों के घेरे में है? कार्रवाई के दावे तो किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कारोबार बंद होने के ठोस परिणाम दिखाई देना जरूरी है। वहीं दूसरी तरफ शिवरीनारायण पुलिस की कार्रवाई लगातार सामने आ रही है। पुलिस टीम अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए कार्रवाई कर रही है। लेकिन सवाल यह है कि जब पुलिस अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए कार्रवाई कर सकती है, तो आबकारी विभाग की टीम आखिर कितनी सक्रिय है? क्या जंगलों में चल रही कथित अवैध भट्टियों तक विभाग की टीम नहीं पहुंच पा रही? क्या शराब की सप्लाई करने वाले बड़े नेटवर्क तक कार्रवाई की आंच नहीं पहुंच रही? छोटे कारोबारियों पर कार्रवाई करके क्या इस पूरे अवैध कारोबार की जड़ें खत्म की जा सकती हैं?

धान का मूल्य बढ़ाने की मांग को लेकर कलेक्टरेट पहुंचे किसान, जिला किसान बंधु संगठन ने सौंपा ज्ञापन

धमधा ब्लॉक में 'सुरभि गौधाम योजना' लागू करने व ओलावृष्टि से वंचित किसानों को मुआवजा देने की उठाई आवाज



दुर्ग (ब्यूरो)। जिले के किसानों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और आर्थिक चुनौतियों को लेकर प्रशासन का दरवाजा खटखटाया है। ग्राम खैरझिटी स्थित 'जिला किसान बंधु संगठन' के बैनर तले किसानों ने जिला प्रशासन को तीन सूत्रीय मांग पत्र सौंपकर त्वरित निराकरण की मांग की है। संगठन के संयोजक बाबा टेकसिंह चंदेल, अध्यक्ष डॉ. जोहन वर्मा और सचिव डॉ. हर्ष साहू के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में खेती-किसानी से जुड़े ज्वलंत मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया है।

आवारा पशुओं से फसल सुरक्षा की मांग-संगठन की पहली प्रमुख मांग आवारा पशुओं के उचित व्यवस्थापन को लेकर है। किसानों ने बताया कि सड़कों और खेतों में विचरण कर रहे आवारा मवेशियों के कारण आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं और किसानों की खड़ी फसलें बर्बाद हो रही हैं। इसे देखते हुए दुर्ग और पाटन ब्लॉक की तर्ज पर धमधा ब्लॉक में भी 'सुरभि गौधाम योजना' लागू करने तथा बंद पड़े गौठानों और कांजी हाउसों को पुनः सुचारू रूप से शुरू करने की मांग की गई है।

धान की कीमत ?3,358 प्रति क्विंटल करने पर जोर-दूसरी बड़ी मांग धान के समर्थन मूल्य से जुड़ी है। संगठन ने मांग की है कि राज्य सरकार द्वारा घोषित ?3,100 प्रति क्विंटल की दर में वर्ष 2024-25 के ?117, वर्ष 2025-26 के ?69 और वर्ष 2026-27 के ?72 (कुल ?258) की राशि जोड़ी जाए, ताकि किसानों को धान का कुल ?3,358 प्रति क्विंटल मूल्य प्राप्त हो सके।

ओलावृष्टि से वंचित किसानों को मिले मुआवजा-तीसरी मांग में वर्ष 2025-26 में रबी फसल के दौरान हुई ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश से हुए नुकसान की भरपाई का मुद्दा उठाया गया है। किसानों का आरोप है कि धमधा ब्लॉक के परसबोड़ और खपरी गांव के कई प्रभावित किसान आज भी क्षतिपूर्ति राशि से वंचित हैं। संगठन ने मांग की है कि प्रभावित किसानों की सूची की पुनः जांच कर वंचित किसानों को जल्द से जल्द मुआवजा राशि प्रदान की जाए।

इंदिरा मार्केट में स्वच्छता की पहलः 300 जोड़ी डस्टबिन वितरण

इंदिरा मार्केट में अब नहीं चलेगी मनमानी! नाली में कचरा फेंकने वालों पर होगी कार्रवाई



महापौर अलका बाघमार ने नालियों में कचरा देखकर जताई नाराजगी, सड़क पर सामान फैलाने वाले व्यापारियों को भी दी सख्त हिदायत

दुर्ग। शहर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम दुर्ग ने इंदिरा मार्केट में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान महापौर अलका बाघमार एवं सभापति श्याम शर्मा ने बाजार के दुकानदारों को 300 जोड़ी डस्टबिन वितरित किए। जनप्रतिनिधियों ने दुकानदारों से दुकान से निकलने वाले कचरे का उचित प्रबंधन करने और बाजार की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग की अपील की।महापौर एवं सभापति ने फूल लाइन से प्रिया श्रृंगार सदन, सदर बाजार, मान होटल लाइन होते हुए हटरी बाजार तक दुकानों में पहुंचकर डस्टबिन वितरित किए। महापौर ने व्यापारियों को समझाइश दी कि दुकान से निकलने वाला कचरा डस्टबिन में ही एकत्रित करें और निगम के कचरा संग्रहण वाहन को सौंपें। सड़क, नाली एवं सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने से गंदगी फैलती है और आम नागरिकों को परेशानी होती है।नालियों में कचरा देख महापौर का चढ़ा पाराअभियान के दौरान कुछ दुकानों के बाहर नालियों में कचरा पड़ा देखकर महापौर अलका बाघमार ने नाराजगी जताई। उन्होंने मौके पर मौजूद निगम अधिकारियों को ऐसे दुकानदारों के खिलाफ नियमानुसार जुर्माने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। महापौर ने स्पष्ट किया कि स्वच्छता नियमों की अनदेखी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जाएगी।सड़क पर अतिक्रमण कर व्यवसाय करने वालों को चेतावनीमहापौर ने दुकानदारों को सड़क तक सामान फैलाकर व्यवसाय नहीं करने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने कहा कि इससे बाजार में आवागमन बाधित होता है और नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। सभी व्यापारी अपनी दुकानों की निर्धारित सीमा में ही व्यवसाय करें तथा बाजार की व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग दें। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखना केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक और व्यापारी की सामूहिक जिम्मेदारी है। निगम स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है, लेकिन इसमें व्यापारियों का सहयोग भी जरूरी है।इस दौरान स्वास्थ्य विभाग प्रभारी नीलेश अग्रवाल, एमआईसी सदस्य ज्ञानेश्वर ताम्रकर, मनीष साहू, शशि साहू, रंजीता पाटिल, जितेंद्र महोबिया, मनीष कोठारी, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, कुणाल सहित निगम का अमला मौजूद रहा।

सेक्टर-6 सोसायटी चुनाव में गरमाया करोड़ों की वसूली का मुद्दा, '9 परसेंट गारंटी पैनल' ने कार्यकारिणी को घेरा



26.54 करोड़ की वसूली घटकर 1.31 करोड़ होने पर उठाए सवाल, पहली ही बैठक में ब्याज दर 9 प्रतिशत करने का किया वादा

भिलाई (संवाददाता)। सेक्टर-6 स्थित इस्पात कर्मचारी कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी के चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। चुनावी माहौल के बीच '9 परसेंट गारंटी पैनल' ने पत्रकार वार्ता आयोजित कर वर्तमान कार्यकारिणी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पैनल के संचालक पवन साहू ने स्मृति नगर गृह निर्माण समिति की बंधक जमीन और करोड़ों रुपये की वसूली में आए भारी अंतर को लेकर मौजूदा प्रबंधन से जवाब मांगा है। वसूली राशि में 25 करोड़ से अधिक के अंतर पर सवाल-पत्रकार वार्ता के दौरान पैनल ने दस्तावेजों का हवाला देते हुए दावा किया कि वर्ष 2019 के निविदा दस्तावेज में 26 करोड़ 54 लाख 80 हजार रुपये से अधिक की वसूली योग्य राशि दर्ज थी। इसके विपरीत, जुलाई 2022 में संयुक्त पंजीयक के आदेश में महज 1 करोड़ 31 लाख रुपये की वसूली का ही उल्लेख सामने आया। पैनल ने सवाल उठाया कि आखिर करोड़ों रुपये का यह भारी अंतर कैसे आया और सदस्यों की पूंजी की सुरक्षा के लिए ठोस प्रयास क्यों नहीं किए गए।संचालकों को देरी से जानकारी देने का आरोप-पैनल ने पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाते हुए कहा कि 22 जुलाई 2022 को वसूली का आदेश जारी होने के बावजूद संचालक मंडल को इसकी जानकारी 2 अगस्त को दी गई, जबकि एक दिन पहले ही यह राशि सोसायटी के खाते में जमा हो चुकी थी। इस गंभीर मामले पर आपातकालीन आमसभा नहीं बुलाने और सदस्यों को विश्वास में नहीं लेने पर भी कड़ी आपत्ति जताई गई।ब्याज दर घटाकर 9 प्रतिशत करने का चुनावी संकल्प-आरोपों के साथ ही '9 परसेंट गारंटी पैनल' ने सदस्यों के हित में अपने चुनावी वादे भी सामने रखे। पैनल ने संकल्प लिया कि चुनाव जीतने पर पहली ही बोर्ड बैठक में ऋण की ब्याज दर को 12 प्रतिशत से घटाकर रिड्यूसिंग आधार पर 9 प्रतिशत किया जाएगा। इसके अतिरिक्त स्मृति नगर की करीब 5 एकड़ बंधक जमीन के दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच कराने और संस्था की संपत्तियों सहित सदस्यों की जमा पूंजी को पूरी तरह सुरक्षित रखने का भरोसा दिलाया गया है। अब देखना होगा कि चुनावी मैदान में उतरे इस पैनल के दावों और वादों पर सोसायटी के सदस्य कितना विश्वास जताते हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com